केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 235 | उज्जैन, बुधवार 4 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

सुविचार

जीवन में वो व्यक्ति प्रसन्न है जो निरंतर स्वयं का मूल्यांकन एवं सुधार करता है...

प्रदेश में ओला-पाला से प्रभावित फसलों का सर्वे कर किसानों को तत्काल उपलब्ध कराई जाए सहायता राशि : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार सरसों को भावांतर योजना में शामिल करने पर कर रही है विचार

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जहां-जहां भी ओला-पाला से फसलें प्रभावित हुई हैं, उन जिलों के कलेक्टर्स, सर्वे कराकर तत्काल सहायता राशि किसानों को उपलब्ध कराएं। किसानों के सभी प्रकार के हित सुनिश्चित करने और उनकी आय दोगुना करने के उद्देश्य से ही वर्ष-2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। कृषक कल्याण कृषि वर्ष में मालवा, निमाड़, चंबल और विंध्य अंचलों में कृषि कैबिनेट आयोजित की जाएगी। कृषि के साथ उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन, मत्स्य पालन जैसी गतिविधियां अपनाने के लिए कृषकों को प्रेरित किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश में पहली बार राज्य स्तरीय पुष्प महोत्सव आयोजित किया गया। पुष्प उत्पादन और देश-विदेश में फूलों की बेहतर मार्केटिंग व्यवस्था को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश में नरवाई प्रबंधन और पराली जलाने पर नियंत्रण के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भावांतर योजना में सरसों और अन्य तिलहन फसलों को भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। मूंग के स्थान पर उड़द को प्रोत्साहित करने के लिए नीति बनाई जा रही है। इसके लिए किसानों को प्रेरित करना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को कैबिनेट की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में राज्य स्तरीय एमपी यूथ गेम्स-2026 के भव्य आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित आयोजनों में देशज खेलों को भी शामिल किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा मेडिकल कॉलेज में 750 बेड की क्षमता वृद्धि की गई है। प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेज की क्षमता को भी बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीपशुपतिनाथ लोक में विकसित की गई सुविधाओं और प्रतिमा के क्षरण को रोकने के लिए किए गए उपाय को अनुकरणीय बताया। उन्होंने बताया कि मंदसौर के मल्हारगढ़ में आयोजित ÷अन्नदाता सम्मान समारोह÷ में भावांतर योजना में सोयाबीन उत्पादक एक लाख 17 हजार किसानों के खातें में 200 करोड़ रुपए की भावांतर राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रस्तुत केंद्रीय बजट विकसित भारत के संकल्पों की सिद्धि की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। राजनैतिक विषयों के स्थान पर वित्त आयोग के सुझावों को महत्व देना बजट की विशेषता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद सदस्यों को अपने-अपने क्षेत्रों में केंद्रीय बजट की विशेषताओं से जनसामान्य को अवगत कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कच्छ में आयोजित रण उत्सव में टेंट सिटी के माध्यम से की गई ईको-सेंसेटिव आवास व्यवस्था और रोजगार के अवसर सृजित करने के नवाचार सराहनीय हैं। उन्होंने गिर राष्ट्रीय उद्यान में सफारी और रेस्क्यू सेंटर में सिंहों को देखने के लिए किए गए प्रयोगों से प्रेरणा लेते हुए उन्हें प्रदेश में लागू करने की दिशा में गतिविधियां संचालित करने की आवश्यकता बताई।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली में बढ़ते ट्रैफिक से राहत की तैयारी, यमुना पर सिग्नेचर ब्रिज–DND के बीच बन सकता है नया पुल

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली में जिस तरह से यातायात का दबाव बढ़ रहा है, इसे देखते हुए यमुनापार इलाके से मध्य दिल्ली की ओर आने जाने के लिए यमुना पर नया पुल बनाए जाने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इसे सिग्नेचर ब्रिज से लेकर डीएनडी के बीच यमुना पर कहीं बनाया जा सकता है। यमुनापार पर अभी दिल्ली क्षेत्र में सभी तरह के मिलाकर 25 पुल बने हुए हैं। जिसमें वाहनों के आवागमन के लिए नौ पुल बने हैं। इनमें पुराना वजीराबाद, सिग्नेचर ब्रिज, युधिष्ठिर पुल, पुराना लोहा पुल, गीता कालोनी पुल, आइटीओ पुल, निजामुद्दीन पुल, डीएनडी और कालिंदी पुल शामिल हैं। इस साल जुलाई तक बारापुला फेज-तीन एलिवेटेड कारिडोर के रूप में एक अन्य पुल मिलने जा रहा है। इस नए पुल को बनाने का प्रस्ताव यमुनापार विकास बोर्ड ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ हाल ही में हुई एक बैठक में रखा था। यह योजना अभी शुरुआती चरण में है और इस पर चर्चा चल रही है।

सरकार यमुनापार इलाके में आवागमन बेहतर बनाने और उत्तर पूर्व, उत्तर और मध्य दिल्ली के बीच लिंक को बेहतर बनाने के लिए इस पर विचार कर रही है। अधिकारियों के अनुसार आरआरटीएस स्टेशनों और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के तैयार होने के साथ रिंग रोड पर खासकर सराय काले खां के पास ट्रैफिक जाम बढ़ने की संभावना है। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे रिंग रोड पर सराय काले खां के पास खत्म होते हैं। जल्द ही दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का डीएनडी -सोहना (जेवर) लिंक भी खुलने वाला है। ऐसे में रिंग रोड पर भी यातायात का दबाव बढ़ रहा है।

उत्तराखंड में अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का किया गठन, मदरसा बोर्ड एक जुलाई 2026 को होगा खत्म

देहरादून/ जीएनएस। उत्तराखंड में संचालित अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान अब एक छतरी के नीचे आ जाएंगे। इस सिलसिले में सरकार ने उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम के तहत प्राधिकरण का गठन कर दिया है। बीएसएम पीजी कालेज रुड़की के सेवानिवृत्त प्रोफेसर सुरजीत सिंह गांधी को इसकी कमान सौंपी गई है। अब राज्य में मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन व पारसी समुदायों द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्थान इस प्राधिकरण के दायरे में आएंगे। एक जुलाई 2026 को उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड का अस्तित्व भी खत्म हो जाएगा। इसके बाद बोर्ड से संचालित हो रहे मदरसे प्राधिकरण के दायरे में आ जाएंगे। धामी सरकार पिछले वर्ष अगस्त में उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा अधिनियम लेकर आई थी। दरअसल, राज्य में अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा केवल मुस्लिम समुदाय को ही मिलता था। इसे देखते हुए मुस्लिम समेत सभी अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक संस्थानों को मान्यता प्रदान करने को पारदर्शी प्रक्रिया और शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य यह अधिनियम लाया गया। इसके तहत अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक संस्थानों को एक छतरी के नीचे लाने को प्राधिकरण गठित हुआ है। शासन ने मंगलवार को उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के गठन की अधिसूचना जारी की। इसमें बीएमएस पीजी कालेज रुड़की के सेवानिवृत्त प्रोफेसर गांधी अध्यक्ष और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के निदेशक सदस्य सचिव होंगे। सदस्यों में कुमाऊं विवि के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डा सैयद अली हमीद, केजीके पीजी कालेज मुरादाबाद के प्रोफेसर गुरमीत सिंह, राजकीय महाविद्यालय कपकोट के सहायक प्राध्यापक डा एल्बा मन्ड्रेले, सोबन सिंह जीना विवि के प्रोफेसर रोबिना अमन, सेवानिवृत्त आइएएस चंद्रशेखर भट्ट, चमोली के प्रोफेसर पेमा तेनजिन, हिमालय ग्राम विकास समिति गंगोलीहाट के राजेंद्र सिंह बिष्ट हैं।

ट्रंप ने पीएम मोदी को क्यों किया था पहले फोन? विपक्ष के सवाल पर पीयूष गोयल का जवाब

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर प्रश्न खड़े कर रहे विपक्ष पर देर शाम सरकार की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने करारा पलटवार किया।

समझोते पर विस्तार पर चर्चा के साथ ही उन्होंने खास तौर पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया। कहा कि राहुल गांधी नकारात्मक सोच के प्रतीक हैं। निंदा करते हुए गोयल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष झूठ और फरेब के सहारे देश को गुमराह व भ्रमित करने का प्रयास कर रहे हैं।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दिया जवाब - केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी को देश की तरक्की से कोई लेना-देना नहीं है। देश आगे बढ़ रहा है, विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना है।

विपक्ष पर साधा निशाना - अन्य विपक्षी दलों को भी निशाने पर लेते हुए वाणिज्य मंत्री ने कहा उनको उसमें कोई दिलचस्पी नहीं है। उनका बस चले तो जिस प्रकार से यूपीए के राज में कांग्रेस के राज में दस वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर दया था, महंगाई से लोगों को परेशान कर दिया, विकास यात्रा को ठप कर दिया था, एक बार फिर उसी प्रकार से देखना चाहेंगे। कि राहुल गांधी की नकारात्मक सोच के साथ डीएमके, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता भी जुड़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जिस तरह से राजनीतिक अराजकता फैलाने की कोशश करते हैं, संसद में उनका रवैया पूरे देश ने देखा। किसी का नाम लिए बिना गोयल ने कहा- एक नेता ने पूछा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले क्यों ट्वीट किया?

जवाब दिया कि रेसिप्रोकल टैरिफ अमेरका ने लगाया था। जब टैरिफ इतना कम हुआ तो उसकी जानकारी तो उधर से ही आएगी। स्वाभाविक है कि उनको टैरफ कम करना है तो उसकी जानकारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देंगे।

तुर्कमान गेट हिंसा मामले में तीन आरोपितों की जमानत का दिल्ली पुलिस ने किया विरोध

नई दिल्ली/ जीएनएस। फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान हुई हिंसा मामले में तीन आरोपितों की जमानत याचिका का दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को विरोध किया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश भूपिंदर सिंह के समक्ष आरोपित मोहम्मद अरीब, मोहम्मद नावेद और मोहम्मद अथर की याचिकाओं का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त लोक अभियोजक (एपीपी) अतुल श्रीवास्तव ने जोरदार दलील दी। एपीपी अतुल ने कहा कि छह और सात जनवरी की दरमियानी रात को घटनास्थल पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 (गैरकानूनी सभाओं पर रोक) लगाई गई थी। फिर भी आरोपित घटनास्थल पर 100 से ज्यादा लोगों के साथ मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि आरोपितों ने ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर उनके सिर और शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों को निशाना बनाकर पत्थरों से हमला किया।

उत्तराखंड में 5 साल के बच्चे को मां के हाथ से छीन ले गया गुलदार, मशाल और टॉर्च की रोशनी में शुरू की खोजबीन

रुद्रप्रयाग/ जीएनएस। जनपद की तहसील रुद्रप्रयाग के अंतर्गत न्याय पंचायत सारी की सिन्द्रवाणी गांव में सोमवार शाम एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।

गुलदार ने आंगन मे खेल रहा पांच वर्षीय मासूम बच्चे को मां के हाथ पर झपट्टा मारकर जंगल की ओर उठा कर ले गया। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया है और क्षेत्र में भय व दहशत का माहौल व्याप्त है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिन्द्रवाणी गांव निवासी हेमंत सिंह का पांच वर्षीय पुत्र दक्ष शाम करीब पांच बजे अपनी मां के साथ घर के आंगन में मौजूद था। इसी दौरान अचानक घात लगाए बैठे गुलदार ने झपट्टा मारकर बच्चे को मां के हाथों से छीन लिया और जंगल की ओर फरार हो गया। घटना इतनी अचानक हुई कि मां कुछ समझ पाती, उससे पहले ही गुलदार बच्चे को उठा ले गया। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों ने शोर मचाया और बच्चे की तलाश शुरू कर दी।

युमनाम खेमचंद बीजेपी विधायक दल के नेता चुने गए, मणिपुर के होंगे अगले सीएम

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली में मणिपुर लेजिस्लेटिव पार्टी की बैठक में बीजेपी नेता युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया। युमनाम खेमचंद सिंह मेतई सुमदाय से आते हैं। यूमनाम सिंगजामेई विधानसभा सीट से विधायक हैं।

बता दें कि 62 साल के युमनाम खेमचंद सिंह अब मणिपुर के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। वह इस नॉर्थ-ईस्ट राज्य में बीजेपी के दूसरे ष्टरूहोंगे। बीजेपी विधायकों का एक ग्रुप दिल्ली पहुंचा और लंबी बातचीत के बाद विधायकों ने युमनाम खेमचंद सिंह को नेता चुना गया। युमनाम खेमचंद सिंह बहुसंख्यक मेइतेई समुदाय के सदस्य सिंह पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री हैं और 2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार के तौर पर सिंगजामेई निर्वाचन क्षेत्र से मणिपुर विधानसभा के लिए चुने गए थे।

मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा भड़कने के बाद सिंह ने हाल ही में आदिवासी बहुल पहाड़ी जिलों उखरुल और कामजोंग का दौरा किया। इन क्षेत्रों में किसी भी मेइतेई नेता की पहली यात्रा थी।

दिल्ली में पांच रुपये की मठरी के दाम पर हुआ विवाद

नई दिल्ली/ जीएनएस। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह चाय व मठरी के पैसों को लेकर हुए विवाद में आरोपितों ने चाय दुकानदार पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देकर सभी आरोपित मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल 48 वर्षीय किशन सैनी को पास के ही बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया।

बाद में बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने किशन को एलएनजेपी अस्पताल अस्पताल में रेफर कर दिया। जहां इलाज जारी है। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक दो नाबालिग संदिग्धों से पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

जानकारी के मुताबिक किशन सैनी आजादपुर गांव स्थित सैनी मोहल्ला में परिवार के साथ रहते हैं। आजादपुर टर्मिनल पास के पास चाय की दुकान लगाते हैं। रोजाना की तरह सैनी मंगलवार की सुबह पांच बजे अपनी दुकान पर पहुंच गए। करीब सुबह छह बजे तीन युवक यहां चाय पीने के लिए आए। उन्होंने चाय के साथ मठरी भी लिए। इसके बाद दुकानदार से मठरी की कीमत को लेकर बहश करने लगे। दुकानदार ने प्रति मठरी की कीमत पांच रुपये बताया, जबकि आरोपित दो रुपये प्रति मठरी के हिसाब से रुपये दे रहे थे।

पार्थ या जय पवार कौन जाएगा राज्यसभा, अजित पवार के बड़े बेटे के नाम पर क्यों नहीं बन रही सहमत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) बड़े बदलावों से गुजर रही है। अजीत पवार की असामयिक मौत के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली और राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया।

अब खाली हुई इस सीट पर उनके बेटे पार्थ पवार को नामांकित करने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हालांकि, पार्थ से जुड़े विवादों के कारण पार्टी उनके छोटे भाई जय पवार को भी विकल्प के रूप में देख रही है।

28 जनवरी को बारामती में हुई विमान दुर्घटना में अजीत पवार के निधन ने एनसीपी को झकझोर दिया। सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा से त्यागपत्र देकर महाराष्ट्र की राजनीति में कदम रखा और अपने पति की जगह ली।

सुनेत्रा पवार ने राज्यसभा से इस्तीफा देकर पद छोड़ा- पार्टी सूत्रों के मुताबिक, अब केंद्र की राजनीति में परिवार की मौजूदगी सुनिश्चित करने के लिए पार्थ को राज्यसभा भेजने की योजना है। एक वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, पार्टी जल्द ही मिलेगी और औपचारिक रूप से पार्थ के राज्यसभा नॉमिनेशन को मंजूरी देगी।

पार्थ पवार का नाम पुणे की विवादित जमीन सौदे से जुड़ा होने के कारण पार्टी सतर्क है। एनसीपी नेता इस मुद्दे को ध्यान में रखते हुए जय पवार को दिल्ली की राजनीति में भूमिका देने पर विचार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी पार्टी के फैसले को पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

पार्थ ने 2019 में मावल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन शिवसेना के श्रीरंग बर्ने से हार गए थे। 2024 में सुनेत्रा पवार बारामती से सुप्रिया सुले के खिलाफ हारीं, और बाद में राज्यसभा पहुंचीं। एनसीपी उस चुनाव में सिर्फ रायगढ़ सीट जीत सकी। अब अगर पार्थ राज्यसभा जाते हैं, तो यह अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र में उनका प्रवेश होगा।

एनसीपी के एकीकरण की अफवाहें- फरवरी के दूसरे सप्ताह में सुनेत्रा पवार दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मिल सकती हैं। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने साफ किया कि दोनों गुटों के विलय की कोई बात नहीं है। दोनों पार्टियों को मिलाने की कोई बात नहीं हुई थी।

यह सब अब बंद होना चाहिए, पटेल ने कहा। उन्होंने कहा कि सुनेत्रा पवार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगी, जबकि वह खुद अध्यक्ष नहीं बनेंगे। मैं निश्चित रूप से पार्टी का प्रेसिडेंट नहीं बन रहा हूँ, एनसीपी नेता ने कहा।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट का जागरूकता अभियान, वाहन चालकों को किया नियम पालन के लिए प्रेरित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा हेलमेट पहनेंङ्कसुरक्षित रहें अभियान के तहत एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में लगातार चलाए जा रहे अभियानों की इसी कड़ी में सोमवार, 3 फरवरी 2026 को शहर के पलासिया चौराहे पर यह विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह स्वयं मौके पर उपस्थित रहे और उन्होंने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा का महत्व समझाते हुए हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर युवा, बुजुर्ग एवं जरूरतमंद दोपहिया वाहन चालकों को, जिनके पास वाहन के पंजीयन व लाइसेंस जैसे दस्तावेज पूर्ण थे, पुलिस द्वारा हेलमेट वितरित किए गए। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान भी किए गए, लेकिन साथ ही उन्हें समझाइश देते हुए सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया और हेलमेट प्रदान किए गए।

अभियान के दौरान कई ऐसे जिम्मेदार वाहन चालक भी सामने आए, जो स्वेच्छा से हेलमेट पहनकर वाहन चलाते हुए मिले। पुलिस कमिश्नर और अन्य अधिकारियों ने ऐसे जागरूक नागरिकों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए। कुछ वाहन चालकों ने पूर्व में हुई दुर्घटनाओं से सबक लेने की बात कही तो कुछ ने पुलिस के इस अभियान से प्रेरित होकर हेलमेट अपनाने का संकल्प लिया।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि इंदौर शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से लगातार नए-नए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि वाहन चालक सड़क सुरक्षा नियमों की गंभीरता को समझें और स्वेच्छा से उनका पालन करें। उन्होंने जिम्मेदार नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम के अंत में वाहन चालकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए यह संकल्प लिया कि वे न केवल स्वयं यातायात नियमों का पालन करेंगे, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा चलाया गया यह अभियान शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर एक सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा।

पुराने फाउंडेशन पर स्थापित किया गया अधिक क्षमता का कैपेसिटर बैंक

एमपी ट्रांसको के आगर 132 केवी सबस्टेशन में तकनीकी नवाचार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने आगर स्थित 132 केवी सबस्टेशन में तकनीकी नवाचार का परिचय देते हुए पुराने कैपेसिटर बैंक के फाउंडेशन पर ही अधिक क्षमता का नया कैपेसिटर बैंक सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किया है। क्षेत्र में इंडक्टिव लोड बढ़ने के कारण पूर्व में स्थापित 5 एमवीएआर क्षमता का कैपेसिटर बैंक अपर्याप्त हो गया था, जिससे वोल्टेज प्रोफाइल प्रभावित हो रही थी। सीमित स्थान के कारण नए फाउंडेशन का निर्माण संभव नहीं था। इस चुनौती का समाधान करते हुए एमपी ट्रांसको के सहायक अभियंता योगेश राठौर ने तत्कालीन कार्यपालन अभियंता शेखर फटाले के मार्गदर्शन मे पुराने फाउंडेशन का ही उपयोग कर आवश्यक तकनीकी संशोधन किए और उसी फांउडेशन पर 12 एमवीएआर क्षमता का नया कैपेसिटर बैंक स्थापित किया। इससे समय, लागत और अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता से बचाव हुआ।

कैपेसिटर बैंक की क्षमता बढ़ने से आगर 132 केवी सबस्टेशन से जुड़े 33 केवी के 9 फीडरों के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर, स्थिर और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति मिल रही है। लाभान्वित क्षेत्रों में मोया खेड़ा, कानड़, नलखेड़ा, निपानिया बैजनाथ, मडकोटा, थानोदला, आगर, झरड़ा एवं आगर टाउन शामिल हैं।

यह कार्य एमपी ट्रांसको के इंजीनियरों की तकनीकी दक्षता एवं उपलब्ध संसाधनों के कुशल उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई

जब्त मदिरा और वाहन की कुल कीमत लगभग 80 हजार रुपए है

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में 27 बल्क लीटर अवैध मदिरा और एक दुपहिया वाहन भी जप्त किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि आज वृत्त काछी मोहल्ला में उप निरीक्षक भगवानदास अहरवार की टीम द्वारा शहरी क्षेत्र में अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

उक्त कार्रवाई में आबकारी विभाग के अमले को गश्त के दौरान एक दोपहिया महिन्द्रा रेडियो स्कूटी वाहन को रोककर तलाशी लेने पर वाहन के आगे के स्पेस में रखी तीन पेटियों से 02 पेटी में 100 पाव मसाला और एक पेटी में 50 पाव प्लेन देशी मदिरा के कुल 150 पाव की 27 बल्क लीटर अवैध परिवहन की जा रही थी। उक्त मदिरा एवं वाहन जप्त कर आरोपी राहुल सिंह पिता श्री प्रहलाद सिंह निवासी कुलकर्णी का भट्ठा इंदौर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। जब्त मदिरा और वाहन की कुल कीमत 79 हजार 750 कीमत रुपए के करीब है। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

उत्कृष्ट पुलिसिंग के लिए 16 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित, पुलिस कमिश्नर इंदौर ने किया हौसला अफजाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा बेहतर और प्रभावी पुलिसिंग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किए गए साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत सोमवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले 16 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पलासिया स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर सभी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना की और उन्हें भविष्य में भी इसी तरह समर्पण भाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि आम नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित और संवेदनशील पुलिसिंग उपलब्ध कराना इंदौर पुलिस की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से उन अधिकारी एवं कर्मचारियों को नियमित रूप से सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपने कर्तव्य क्षेत्र में ईमानदारी, तत्परता और कार्यकुशलता का परिचय दिया है। ऐसे कार्यक्रमों से पुलिस बल का मनोबल बढ़ता है और सेवा भावना को मजबूती मिलती है।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इनकी मेहनत और लगन अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

सम्मानित किए गए पुलिसकर्मियों में थाना द्वारकापुरी के चार पुलिसकर्मी शामिल रहे, जिन्होंने पंजीबद्ध अपराधों में आरोपियों की पतारसी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा लगभग पांच लाख बीस हजार रुपये का माल मश्रुका जप्त कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। वहीं अपराध शाखा की टीम ने थाना बाणगंगा में दर्ज अपराध के एक आरोपी को तकनीकी सहायता से गिरफ्तार कर फरियादिया को राहत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

इसके अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कार्यालय नगरीय इंदौर के कर्मचारियों को ई-एचआरएमएस पोर्टल पर कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका समय सीमा में ऑनबोर्ड करने और अन्य जिलों को प्रशिक्षण देने में सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यातायात थाना के पुलिसकर्मियों को एप्पल टी चौराहे पर बेहतर यातायात प्रबंधन तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर प्रभावी चालानी कार्रवाई करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस आयुक्त ने सभी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि इंदौर पुलिस आने वाले समय में भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करती रहेगी, ताकि नागरिकों का पुलिस पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

आयुक्त ने झोन क्रमांक 13 में जल प्रदाय व सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को प्रातः 8 बजे झोन क्रमांक 13 के अंतर्गत जल प्रदाय कार्य एवं सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी श्री शृंगार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय जोनल अधिकारी, सीएसआई सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जहां लापरवाही मिली वहां सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने वार्ड क्रमांक 74 सहित भोलाराम उस्ताद मार्ग, पिपलिया राव रिंग रोड, अंबिका पुरी क्षेत्र, गोकुलधाम कॉलोनी, विष्णुपुरी, पिपलिया पाला एवं रीजनल पार्क क्षेत्र का निरीक्षण किया। अंबिका पुरी क्षेत्र में दूषित पानी की शिकायत एवं सीवर ओवरफ्लो की समस्या को देखते हुए जल प्रदाय और सीवरेज लाइनों की स्थिति की जांच की गई। मौके पर कचरा एवं गंदगी पाए जाने पर आयुक्त ने संबंधित सीएसआई और एनजीओ प्रतिनिधि को फटकार लगाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में क्षेत्र में कचरा पॉइंट नहीं बनना चाहिए।

अंबिका पुरी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर आयुक्त श्री सिंघल ने क्षेत्रीय दरोगा चेतन लोट को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा फेंकने वालों के विरुद्ध नियमित रूप से चालानी कार्रवाई की जाए, ताकि लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सके।

जन समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रति सप्ताह मंगलवार आयोजित की जा रही जनसुनवाई का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनकर कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया।

आज संपन्न हुई जनसुनवाई में कुल 301 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें स्वास्थ्य, राजस्व तथा पारिवारिक विवाद, स्थापना, आर्थिक सहायता आदि से संबंधित प्रकरण शामिल थे। जिन मामलों में तत्काल निराकरण संभव नहीं हो सका, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि सभी लंबित आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा प्रत्येक सोमवार को इसकी नियमित समीक्षा की जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रकरण सामने आए। एक निजी स्कूल से आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों को बाहर किए जाने की शिकायत पर स्कूल संचालक को बुलाकर जांच के निर्देश दिए गए, ताकि छात्रहित में उचित निर्णय लिया जा सके। वहीं होलकर साइंस कॉलेज के पूर्व प्राचार्य द्वारा 15 माह से लंबित मेडिकल रिपोर्ट की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग को तत्काल रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त एक बुजुर्ग के पारिवारिक विवाद के मामले में सभी संबंधित पक्षों को बुलाकर मेडिटेशन सेंटर में समझाइश के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान का प्रयास किया जा रहा है। एक महिला द्वारा ससुराल पक्ष पर संपत्ति विवाद एवं उत्पीड़न की शिकायत पर पुलिस विभाग एवं कानूनी सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। इसी तरह एक बुजुर्ग महिला के कैंसर की निःशुल्क उपचार की व्यवस्था भी की गई। जनसुनवाई अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्रीमती निशा डामोर, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारियों ने भी आमजन की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण सुनिश्चित किया।

जनसुनवाई में पुलिस कमिश्नर इंदौर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के समयबद्ध निराकरण और समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के तहत मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई के दौरान पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण के स्पष्ट निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कुल 79 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन से जुड़े मामले, वित्तीय धोखाधड़ी, सुनवाई न होने की शिकायतें, प्लॉट एवं जमीन से संबंधित धोखाधड़ी, महिला अपराध तथा अन्य पुलिस संबंधी समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने हर आवेदन को व्यक्तिगत रूप से देखते हुए आवेदकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का निष्पक्ष और त्वरित समाधान किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए और पीड़ितों को अनावश्यक रूप से थाने के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि इंदौर पुलिस आम नागरिकों की सुरक्षा, न्याय और विश्वास की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और जनसुनवाई इसी दिशा में एक प्रभावी माध्यम है।

इस अवसर पर अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) इंदौर श्री अमित सिंह सहित सभी ज़ोन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार संबंधित आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई की। जनसुनवाई के माध्यम से बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी बात सीधे पुलिस प्रशासन तक पहुंचाई, जिससे उन्हें राहत और भरोसा मिला कि उनकी शिकायतों पर समय पर कार्रवाई होगी।

नाबालिग बालक के अपहरण व हत्या मामले में एमआईजी पुलिस को बड़ी सफलता, आरोपी के पिता-मां और ताऊ गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में नाबालिग बालक के अपहरण और हत्या की सनसनीखेज घटना के मामले में एमआईजी थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुख्य आरोपी की मदद करने, साक्ष्य छिपाने और घटना को दबाने के आरोप में उसके पिता, मां और ताऊ सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से पूरे मामले में साजिश और सहयोगियों की भूमिका भी उजागर हो गई है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा शहर में हत्या और अपहरण जैसी गंभीर घटनाओं का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों व अपराध में सहयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के तहत पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री कुमार प्रतीक एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-2 श्री अमरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में थाना एमआईजी पुलिस टीम ने यह महत्वपूर्ण कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार थाना एमआईजी क्षेत्र के श्रीनगर कांकड़ इलाके में 30 जनवरी 2026 को नाबालिग बालक की हत्या की गई थी। मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने 31 जनवरी 2026 को मुख्य आरोपी रेहान पिता अब्दुल साकिर को गिरफ्तार किया था। पुलिस रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वारदात के बाद उसके पिता अब्दुल साकिर उर्फ बंटी, मां शहजादी और ताऊ अब्दुल रहमान ने उसकी मदद की थी। आरोपियों ने शव को घर में छिपाने और साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

इस जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी सहायता की मदद से फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अब्दुल साकिर उर्फ बंटी उम्र 50 वर्ष निवासी श्रीदेवी अपार्टमेंट श्रीनगर कांकड़ एमआईजी, शहजादी पति अब्दुल साकिर निवासी श्रीदेवी अपार्टमेंट श्रीनगर कांकड़ एमआईजी और अब्दुल रहमान पिता अब्दुल हक उम्र 51 वर्ष निवासी नयापुरा इंदौर शामिल हैं। पुलिस ने संपूर्ण घटनाक्रम का रिक्रिएशन भी कराया और आरोपियों द्वारा दी गई सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई की गई।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी एमआईजी श्री सी.बी. सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अरुण जाट, उपनिरीक्षक प्रह्लाद चौहान, सहायक उपनिरीक्षक आनंद कुमार, प्रधान आरक्षक लोकेंद्र, राजकुमार चौबे, शिव यादव, राजू दवाणे, मनोहर, गौतम पाल, सत्येंद्र बघेल तथा साइबर सेल के आरक्षक प्रवीण और विनीत मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही। एमआईजी पुलिस की इस कार्रवाई से न केवल नाबालिग की हत्या के मामले में सच्चाई सामने आई है, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ है कि अपराध के बाद आरोपी को संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी पुलिस सख्त रवैया अपनाए हुए है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर सख्त कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम इंदौर द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों में प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इसी क्रम में मंगलवार, 3 फरवरी 2026 को झोन क्रमांक 17 अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र में निरीक्षण एवं कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान गंभीर पर्यावरणीय अनियमितताएं सामने आने पर चार संस्थानों पर कुल एक लाख नब्बे हजार रुपये का स्पॉट फाइन लगाया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि कुछ फैक्ट्रियों और प्रतिष्ठानों द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए फैक्ट्री से निकलने वाला गंदा एवं प्रदूषित पानी सीधे नालों में बहाया जा रहा था। इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा था, बल्कि आसपास रहने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई थी।

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर में करियर के बनाने का सुनहरा अवसर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं एन.सी.एच.एम.सी.टी., नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एस.आई.एच.एम.) इंदौर होटल उद्योग में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख संस्थान के रूप में उभर रहा है। राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर होने के साथ यहाँ सौम्य जलवायु, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट कनेक्टिविटी, आईआईटीङ्कआईआईएम जैसे शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक केंद्र, कम जीवन-व्यय तथा विकसित होटल उद्योग के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद बना हुआ है। उज्जैनङ्कओंकारेश्वर की निकटता और व्यावसायिक गतिशीलता भी इंदौर शहर की प्रमुख विशेषता है।

यह जानकारी देते हुए स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर के प्राचार्य डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि संस्थान द्वारा तीन वर्षीय बीएससी हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर जेएनयू द्वारा मान्यता प्राप्त डिग्री प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त उक्त संस्थान द्वारा 6 माह के डिप्लोमा पाठ्यक्रम- जिसमें फूड प्रोडक्शन, बेकरी एंड कंफेक्शनरी, फूड एंड बेवरेज सर्विस, हाउसकीपिंग, फ्रंट ऑफिस में तथा 10वीं पास विद्यार्थियों के लिए 6 माह का क्राफ्ट्समैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाया जाता है। स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट इंदौर की प्रमुख विशेषता चौथे सेमेस्टर में 6 माह की विदेशी इंटर्नशिप का विकल्प, 100 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट (ओबेरॉय, ताज, आईटीसी, मैरियट, रिलायंस आदि), अनुभवी फैकल्टी, आधुनिक सुविधाओं से युक्त छात्रावास(छात्र-छात्राओं के लिए), वाई-फाई एवं परिवहन व्यवस्था शामिल हैं। आरक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए मध्यप्रदेश शासन की छात्रवृत्ति सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

उक्त संस्थान में सत्र-2026 में प्रवेश हेतु प्रक्रिया 25 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो चुकी है। वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संस्थान स्तर पर डायरेक्ट एडमिशन की सुविधा भी उपलब्ध है। एनटीए द्वारा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) आगामी 25 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। जिसमें सीबीटी पैटर्न (200 अंक) में न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग, सामान्य ज्ञान, इंग्लिश एवं सर्विस सेक्टर एप्टीट्यूड के प्रश्न शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि संस्थान में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के अंतर्गत सांस्कृतिक उत्सव, खेलकूद, विभिन्न प्रतियोगिताएं, इंडस्ट्री विजिट, सेमिनार एवं अतिथि व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

रोगों से मुक्ति के लिए प्रकृत्ति सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक - शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ

तन से ही नहीं मन से भी प्रकृति से जुड़ना हितकारी - आयुष मंत्रालय सलाहकार डॉ वार्ष्णेय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हमारी वैदिक पद्धति अनादिकाल से सशक्त रही है। मानव जगत को हर प्रकार के रोगों से मुक्त करने के लिए प्रकृति ने हमें पेड़ पौधों वनस्पति के रुप में विभिन्न औषधियां प्रदान की है। प्रकृति हमारी सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक है। उक्त बात आरोग्य भारती मंदसौर, नीमच, गरोठ विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां एवं स्वस्थ जीवन शैली विषय पर आयोजित वृहद संगोष्ठि में जगदुरू शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ भानपुरा पीठ ने कुशाभाउ ठाकरे ऑडिटोरियम मंदसौर में कही।

शंकराचार्य स्वामी श्री ज्ञानानंद जी तीर्थ ने कहा मनुष्य के अनुपात में जानवर कम बीमार होते है। क्योंकि वे दिनभर दौड़भाग करते हुए शारीरिक श्रम करते है। पहले हम कुओं का पानी पीकर स्वस्थ रहते थे। लेकिन आज कुए बंद कर दुषित पानी पीकर बीमार हो रहे है। आंवला उदर रोग के लिए और अर्जुन का वृक्ष हृदय रोग के उपचार में वरदान सिद्ध हुआ है।

व्याख्यान सत्र के प्रमुख वक्ता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं केंद्रीय आयुष मंत्रालय सलाहकार डॉ. अशोक वार्ष्णेय ने कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिए संतुलित जीवन शैली व संतुलित आहार को अपनाना होगा।

तन के साथ मन से भी प्रकृति से जुड़ना हितकारी है।

दृढ़ संकल्प व इच्छाशक्ति और उपचार से गंभीर रोगों से भी मुक्ति पाई जा सकती है । हम आहार विहार का पालन करें और विरूद्ध प्रकृति खाद्य पदार्थों से बचें । जब हम गर्म भोजन शीघ्र पाचन के लिए करते है, लेकिन भोजन के बाद ठंडा आइसक्रीम सेवन कर पाचन क्रिया को पांच से छह घंटे शिथिल कर आगे बढ़ा देते है। संगोष्ठी में व्याख्यान से पूर्व शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ आरोग्य भारती राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ अशोक वार्ष्णेय, प्रांत अध्यक्ष डॉ. विष्णुसेन कछावा, उद्यानिकी महाविद्यालय डीन डॉ इंदर सिंह तोमर, जिलाध्यक्ष डॉ. राजेश बोराना, समाजसेवी प्रहलाद काबरा का शॉल, श्रीफल व प्रतीक चिन्ह भेंट कर समाजसेवी दृष्टानंद नैनवानी, सिंधी समाज अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, डॉ. मनीषा मेहता, संजय गुप्ता (टीटू) डॉ अभिनव पारीख, पुष्पेन्द्र भावसार, किशोर खटबड़, आनंद सिंह तोमर, भगतराम पाटीदार, कैलाशचन्द चौहान, दीपक सैनी आदि ने सम्मान किया। भगवान धनवंतरी प्रार्थना महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती बंटू भूत ने प्रस्तुत किया। स्वागत् भाषण संरक्षक अशोक कुमठ ने दिया। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. पूरण सहगल मनासा, कवि प्रमोद रामावत नीमच का भी सम्मान किया। कार्यक्रम संचालन वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल ने किया। आभार डॉ जवाहरसिंह मंडलोई ने माना। कार्यक्रम में आरोग्य भारती के नीमच, मंदसौर, गरोठ, सीतामउ, मल्हारगढ़, पिपलिया, जावरा के सदस्यों आरोग्य मित्रों के साथ ही पूर्व न्यायमूर्ति जी डी सक्सेना पूर्व न्यायाधीश श्री आर एस चुंडावत गुरुचरण बग्गा भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित पूर्व अध्यक्ष मानसिंह माछोपुरिया, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया व देवीलाल धाकड़, भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराना, मेडीकल कॉलेज डीन डॉ. शशि गांधी सहित गणमान्य नागरिक एवं प्रबुद्ध जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत 5 हजार से अधिक आवेदन निराकृत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के तहत नीमच जिले में आयोजित शिविरों में विभिन्न विभागों की 106 सेवाओं को प्राप्त करने के लिए 7889 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें से 5286 आवेदनों की स्वीकृति, निराकरण किया जा चुका है। शेष 3503 आवेदन लंबित है। इन लंबित आवेदनों का सभी विभाग निराकरण सुनिश्चित कर, पोर्टल पर ऑनलाईन दर्ज करें। इस कार्य को प्राथमिकता दे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जिला अधिकारियों की बैठक में संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आगामी दिनों में संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रत्येक तहसील में एक-एक नैत्र परीक्षण एवं उपचार शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने जिला शिक्षा केंद्र एवं शिक्षा विभाग को निर्देश दिए, कि वे बाउण्ड्रीवाल वाले सभी शाला परिसरों को चिंहित कर वहां मां की बगियां, किचन गार्डन एवं पोषण वाटिका लगवाने की व्यवस्था करें। समग्र ई-केवायसी सत्यापन कार्य की समीक्षा में बताया गया, कि जिले में 777689 हितग्राहियों के समग्र का ईकेवायसी सत्यापन किया जा चुका है। जो, कि 91.86 प्रतिशत है। शेष 68768 समग्र ई-केवायसी सत्यापन से शेष रहे है। कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों और जनपद सीईओ को शेष रहे समग्र ईकेवायसी के सत्यापन का कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए है।

पी.एम.स्वनिधि योजना तहत 2769 हितग्राही लाभांवित- बैठक में पी.एम.स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा में बताया गया, कि इस योजना के तहत अब तक 5652 हितग्राहियों के प्रकरण तैयार कर, बैंकों को प्रस्तुत किए गए है। इनमें से 3325 प्रकरण स्वीकृत हो गये है और 2769 प्रकरणों में हितलाभ वितरण किया जा चुका है। गत एक सप्ताह में 331 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है। सभी सीएमओ को पी.एम.स्वनिधि के शतप्रतिशत लक्ष्य अनुरूप प्रकरणों में स्वीकृति एवं ऋण वितरण करवाने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने प्रदान की दिव्यांग शांतिबाई को निःशुल्क ट्राईसिकल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 90 आवेदकों को समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस मौके पर एडीएम श्री बी.एस.कलेश, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, डिप्टी कलेक्टर श्री पराग जैन, श्री चंद्रसिह धार्वे व जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने बंगला नम्बर 32, वार्ड नम्बर 26 नीमच केंट निवासी दिव्यांग शांतिबाई को निःशुल्क ट्राईसिकल प्रदान की है। कलेक्टर के हाथो ट्राईसिकल पाकर शांतिबाई खुशी-खुशी अपने घर को रवाना हो गई। जनसुनवाई में अठाना की नानीबाई पति रामकरण के आवेदन पर गम्भीर बीमारी के निःशुल्क उपचार के लिए एमवाय इंदौर से चर्चा कर, निःशुल्क उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच डॉ.दिनेश प्रसाद को दिए है।

जनसुनवाई में राजपुरिया के कन्हैयालाल, श्यामलाल, दारू के नंदलाल, जूना भदाना के कारूलाल, कंजार्डा के शंभुलाल, रेवली देवली के शांतिलाल, जुना मालाहेडा की बच्चीबाई, लसुडी तंवर की आशा बाई, सरजना की चतरबाई, मनासा के रोहित कछावा, सिंगोली के पियुष, श्रीपुरा के कन्हैयालाल, ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह बरूखेडा की रेखा, भरभडिया के राधेश्याम, दारू के दिलीप पुरोहित, गोविंद दास, ग्वालटोली की हेमलता यादव, जावद के हरजी, लाछ के नारायण, रेतपुरा के कन्हैयालाल, हनुमंतिया पंवार की सोहन कुंवर, कुचदौड के श्यामलाल, लेवडा के जसवंतसिह, जीरन के विजय, दामोदरपुरा के तुलसीराम, बरलई के अर्जुन पाटीदार आदी।

विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने खेतों में उतरकर जाना ओलावृष्टि का दर्द

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र जावद में रविवार को हुई बेमौसम बारिश,और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। कई जगह पकी फसलें जमीन पर गिर गई, तो कहीं खेतों में फसल सड़ने की स्थिति बन गई।

जावद जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण ने बताया कि इस गंभीर हालात के बीच मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने सोमवार को खुद ओलावर्षिंट से प्रभावित गांव-गांव पहुचकर और किसानों के खेतों में उतरकर नुकसान का प्रत्यक्ष जायजा लिया। विधायक सखलेचा ने जावद क्षेत्र के ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों से बातचीत की और फसल नुकसान की वास्तविक स्थिति देखी। किसानों ने उन्हें बताया कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलें गिर गई, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों प्रभावित हुई है।

विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने बताया कि खेतों में नुकसान देखकर किसानों की पीड़ा को समझते हुए कहा कि– किसान हमारा अन्नदाता है, उनकी मेहनत पर पानी फिरते देख मन व्यथित है। संकट की इस घड़ी में सरकार और मैं किसानों के साथ खड़े हैं।÷ उन्होंने मौके पर मौजूद किसानों को ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि किसी भी किसान के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

पटवारी-आरआई को मौके पर बुलाया, सर्वे में लापरवाही नहीं चलेगी किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक सखलेचा ने मौके पर ही पटवारी एवं आरआई को तलब किया और सख्त निर्देश दिए कि तत्काल फसल नुकसान सर्वे शुरू किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से नुकसान का आकलन किया जाए, हर पात्र किसान का नाम सर्वे सूची में शामिल हो और मुआवजे के प्रकरण तुरंत तैयार कर आगे भेजे जाएं। विधायक ने स्पष्ट किया कि सर्वे में देरी या भेदभाव किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर से चर्चा, मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री को पत्र और मुलाकात की तैयारी

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में मंदसौर में उतरा राजपूत समाज, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला राजपूत समाज संगठन, मन्दसौर द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा हाल ही में बनाए गए नियमों को भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया गया है। संगठन ने मंगलवार को महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन देकर इन नियमों को तुरंत वापस लेने की मांग की है। अन्यथा समाज आंदोलन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन के पूर्व महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर समाजजनों ने एकत्र होकर यूजीसी के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

ज्ञापन में जिला राजपूत समाज संगठन ने कहा कि यूजीसी द्वारा जातिगत आधार पर सामान्य वर्ग के प्रति भेदभावपूर्ण नियम बनाए गए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इन नियमों में सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ होने वाले भेदभाव को शामिल नहीं किया गया है, साथ ही इन नियमों को बनाने वाली समिति में भी सामान्य वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान नहीं किया गया है। संगठन ने इसे पूरी तरह से गैर-संवैधानिक करार दिया है।

राजपूत समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यूजीसी के इस कदम से समाज के युवाओं और छात्रों में घोर आक्रोश व्याप्त है। जिला अध्यक्ष रूघनाथ सिंह राठौर काचरिया ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि यूजीसी नियम 2026 को वापस नहीं लिया जाता है, तो समाज उग्र आंदोलन करने पर मजबूर होगा। संगठन ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए ज्ञापन की प्रतिलिपि महामहिम राज्यपाल, मध्य प्रदेश शासन को भी प्रेषित की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी और समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ज्ञापन देते समय समाज के सैकड़ों सदस्यों उपस्थित थे जिसमें रघुनाथ सिंह राठौर, महेन्द्र सिंह शक्तावत, भोपाल सिंह सिसोदिया, नरेन्द्र सिंह चौहान, अजय सिंह चौहान,भूपेंद्र सिंह राठौर,के के सिंह भाटी, रिपुदमन सिंह चंद्रावत, दशरथ सिंह चंद्रावत, धर्मपाल सिंह देवड़ा,रघुवीर सिंह राठौर, प्रीतिपाल सिंह राणा, जितेन्द्र सिंह राणा, मदन सिंह देवड़ा, गोपाल सिंह कोचवी,कुशाल सिंह शक्तावत, विजेन्द्र सिंह चुंडावत, रघुराज सिंह सिसोदिया,महेन्द्र सिंह भाटी, श्याम सिंह टोलखेड़ी, हिम्मत सिंह राठौर,नरेन्द्र सिंह मोरखेड़ा, गजेंद्र सिंह शक्तावत,राजेन्द्र सिंह चौहान, दिग्विजय सिंह सिसोदिया, निर्मल सिंह सिसोदिया, ज्ञान सिंह राठौर, इन्द्र पाल सिंह सिसोदिया, कुलदीप सिंह शक्तावत,विजय सिंह राठौर, भानुप्रताप सिंह सोलंकी, सत्येन्द्र सिंह सोम, गोविन्द सिंह कोचवी, अरविन्द सिंह राठौर,बालू सिंह सिसोदिया, चंद्रविनोद सिंह सेंगर, रणवीर सिंह राणावत, नरेन्द्र सिंह चंद्रावत, रामपाल सिंह देवड़ा, संदीप सिंह शक्तावत, अजय सिंह सेजपुरिया आदि ओर समाज जन उपस्थित थे । आभार समाज के सचिव भूपेन्द्र सिंह राठौर (खेड़ी) ने माना। यह जानकारी प्रवक्ता के द्वारा दी गई।

अफीम किसानों को बिना सर्वे के राहत एवं मुआवजा देने की मांग : कांग्रेस ने नारकोटिक्स विभाग को ज्ञापन सौंपा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों मल्हारगढ़ क्षेत्र के किशनगढ़, झारड़ा, हरमाला, लसुडिया कदमाला, बोरखेड़ी, फतेपुर, बंड पिपलिया, पामाखेडा, गोपालपुरा, मनासाखुर्द, अनूपपुरा सहित अन्य गांवों में जबरदस्त ओलावृष्टि और तेज बारिश ने अफीम की फसल को पूरी तरह चौपट कर दिया। अफीम के डोडे और पत्तियां टूट गई, जिससे फसल में 100 प्रतिशत नुकसान हुआ। अफीम की खेती में भारी निवेश और मेहनत लगती है, ऐसे में किसान गहरे संकट में फंस गए हैं। इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित अफीम उत्पादक किसानों को बिना सर्वे के तत्काल राहत एवं मुआवजा देने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधि और प्रभावित किसानों ने विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, प्रदेश सचिव परशुराम सिसोदिया की उपस्थिति में मंदसौर नारकोटिक्स कार्यालय का घेराव किया और नारेबाजी की। केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम ज्ञापन जिला अफीम अधिकारी श्री एस. के. हिंगड़ को मंगलवार को सौंपा गया।

ज्ञापन में मुख्य मांग है कि प्रभावित किसानों को प्रति 10 आरी नुकसान पर 5 लाख रुपये और 5 आरी वाले किसानों को 2.50 लाख रुपये का तत्काल मुआवजा दिया जाए। वित्त विभाग पुराने नियमों में संशोधन करे। अफीम नीति निर्माण में अफीम उत्पादक किसानों को शामिल किया जाए, ताकि वे अपने अनुभव और भौगोलिक स्थिति के आधार पर पक्ष रख सकें। सीपीएस पद्धति को समाप्त कर सभी किसानों को समान रूप से 10 आरी के पट्टे जारी किए जाएं और चीरा लगाकर अफीम उत्पादन का लाइसेंस दिया जाए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश रातड़िया, प्रदेश कांग्रेस सचिव सोमिल नाहटा, पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह टुटेजा, सह सचिव मुकेश निडर, ब्लॉक कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, जनपद सदस्य गणपत पंवार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजेश मालेचा, महिला कांग्रेस महासचिव रूपल संचेती,जिला कांग्रेस पदाधिकारीगण अजय लोढ़ा, लियाकत मेव सहित बड़ी संख्या में किसान और कांग्रेसजन मौजूद रहे।

एनएचएआई में इंटर्नशिप से युवाओं को मिलेगा तकनीकी व प्रबंधन का व्यावहारिक अनुभव-सांसद सुधीर गुप्ता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकसभा सांसद सुधीर गुप्ता द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने जानकारी दी कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने उच्च शिक्षा विभाग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सहयोग से एक समर्पित इंटर्नशिप कार्यक्रम प्रारंभ किया है। प्रश्नकाल के दौरान सांसद सुधीर गुप्ता ने अपने प्रश्न के माध्यम से यह जानना चाहा था कि क्या एनएचएआई द्वारा राजमार्ग एवं अवसंरचना क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षित करने हेतु कोई इंटर्नशिप योजना शुरू की गई है, उसकी पात्रता, अवधि, स्टाइपेंड तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण से जुड़ी जानकारी क्या है। सांसद सुधीर गुप्ता ने बताया कि इस इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास के क्षेत्र में तकनीकी, प्रबंधन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे उन्हें रोजगारोन्मुखी अनुभव प्राप्त हो सके। मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल इंजीनियरिंग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को परियोजना योजना, डिजाइन, निर्माण पर्यवेक्षण, संचालन और रखरखाव जैसे कार्यों में शामिल किया जाएगा। वहीं कंप्यूटर साइंस, आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा साइंस, वित्त, कानून, पर्यावरण, मानव संसाधन एवं प्रशासन जैसे विषयों के छात्र एनालिटिक्स, आईटी सपोर्ट, टोलिंग ऑपरेशंस, भूमि अधिग्रहण, वित्तीय एवं कानूनी कार्यों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि यह पहल युवाओं को आधुनिक तकनीक, नवाचार और क्षेत्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जिससे देश के अवसंरचना विकास में कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे।

विधायक परिहार ने किया 2 करोड 80 लाख रूपए से निर्मित होने वाली बोरखेडी खुर्द से झालरी सडक निर्माण कार्य का भूमि पूजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक दिलीपसिंह परिहार ने विधानसभाक्षेत्र नीमच के ग्राम बोरखेडी खुर्द से झालरी तक कुल 2 करोड 80 लाख रू. की लागत से निर्मित होने वाले 2 किलोमीटर लम्बे सडक निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक परिहार ने कहा कि यह मार्ग क्षेत्र को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इससे आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा और स्थानीय विकास को गति मिलेगी। भारत पुनः सोने की चिडिया बन रहा है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। लाडली बहनों को अभी वर्तमान में 1500 रूपए मिल रहे हैं, चुनाव से पूर्व 3000 रूपए प्रतिमाह कर देंगे। उज्जवला गैस कनेक्शन के माध्यम से घर घर गैस देने का कार्य किया है। पशुपालन योजना में 25-30 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही है।जल, जंगल और जमीन बचाने का काम भाजपा सरकार कर रही है। गांव गांव में सडकों का जाल बिछ चुका है। गांवों में बिजली 24 घण्टे मिल रही है। चम्बल का पानी मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं प्रधानमंत्री मोदी ने मंजूर किया है। चम्बल का पानी हर खेत की प्यास बुझाने वाला है। योजना मंजूर हो गई है। हर गांव में चम्बल का पानी आएगा। समाज के सर्वहारा वर्ग के लिए अनेकों जनकल्याणकारी योजनाएं, लाडली बहना, आयुश्मान योजना आदि चलाई जा रही हैं।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा बाई मदनलाल धनगर, भाजपा जिला महामंत्री धनसिंह कैथवास, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्जुनसिंह सिसोदिया, मंडल अध्यक्ष श्रीमती पूजा अनिल शर्मा, महामंत्री महेश गुर्जर, मेहरसिंह जाट, जनपद सदस्य रतन मालावत, मंडल उपाध्यक्ष लालसिंह रावत, मोहन नागदा, सरपंच प्रतिनिधि कालूराम गुर्जर, नवलकृष्ण सुरावत, जीवन माली, लाला सेन, देवकिशन, दिलीप पुरोहित, गोपाल मीणा, तुलसीराम मीणा एवं बड़ी संख्या में ग्राम बोरखेड़ी खुर्द के ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

यातायात थाने के सामने सोने चांदी की गिरवी रकम छुड़ाने को लेकर हंगामा, भीड़ एकत्र, लगा जाम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार दोपहर 2 बजे टैगोर मार्ग स्थित पुराना कैंट थाना वर्तमान में यातायात थाने के सामने संदीप ज्वेलर्स की दुकान पर ग्रामीण क्षेत्र के बंजारा एवं कालबेलिया समाज की महिलाओं द्वारा अपनी रकम छुड़ाने की बात को लेकर हंगामा किया गया। प्राप्त जानकारी अनुसार प्रकरण क्रमांक 1 में 38 वर्षीय कंचन पति कालू बंजारा निवासी आकली तहसील जावद जिला नीमच ने बताया कि उन्होंने अपने पति के साथ थाने के सामने संदीप ज्वेलर्स पर 12 साल पहले लगभग 4 किलो चांदी के जेवर गिरवी रखकर पैसे लिए थे जिसे हर साल ब्याज भी जमा कराते थे। 18 वर्षीय बेटी चांद का विवाह होने के कारण हमें रकम की आवश्यकता है लेकिन संदीप ज्वेलर्स के मालिक अनिल सोनी ने नामा होने से मना कर दिया विगत एक माह से चक्कर दे रहा है कि कल दूंगा, में बाद दूंगा लेकिन दिया नहीं आज तो साफ मना कर दिया कि नामा लिखाई पढ़ाई नहीं है। यदि मेरी चांदी की रकम नहीं दी तो में इसी दुकान के बाहर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लूंगी।

मामला क्रमांक दो - राजस्थान के छोटी सादड़ी तहसील के राजू खेड़ा गांव की निवासी महिला रमकु बाई पति गोविंदनाथ जाति बंजारा ने बताया कि उन्होंने आरआर ज्वैलर्स के मालिक राजू सोनी के पास 10 वर्ष पूर्व 1 किलो चांदी के पाठ की कड़ी 10 ग्राम सोने का मंगलसूत्र पायजब आदि ज्वेलरी गिरवी रखी थी जिसे हर 6 महीने में 3 हजार पांच सो रुपए ब्याज भी भरते थे अब रकम मांगने पर उन्होंने साफ मना कर दिया कि कोई रकम नहीं है इससे आक्रोशित होकर महिला ने हंगामा खड़ा कर दिया और भीड़ एकत्र हो गई।

घटना मामला क्रमांक 3 संतोष पति नाथू नार नाथ कालबेलिया निवासी सुवाखेड़ा ने बताया कि उन्होंने भी 3 किलो चांदी की रकम नया बाजार स्थित आरआर ज्वैलर्स के संचालक राजू सोनी के पास गिरवी रखी थी।

10 हजार ब्याज भी दिया था, 2 किलो की कड़ी चांदी की दो जोड़ पायजब जेवर आदि सामग्री थी। रकम नहीं लौटने पर पुलिस में शिकायत करने की बात बताई।

चांदी की रकम देने से मना करने के बाद महिला के परिवार जनों द्वारा जमकर हंगामा किया गया और भीड़ इकट्ठा हो गई और भीड़ देखते ही केंद्र थाना से पुलिसकर्मी पहुंचे और दोनों पक्षों को थाने बुलाकर जानकारी प्राप्त की।

इनका कहना है - 12 वर्ष पुराना कोई लेनदेन नहीं है महिलाओं को आगे कर झूठा दबाव बनाया जा रहा है किसी प्रकार का कोई लेनदेन नहीं है बाकी नहीं है। महिलाएं झूठ बोल रही है चांदी की रकम कभी गिरवी नहीं रखी गई है इसमें कोई सच्चाई नहीं है पूरा मामला झूठा है। पुलिस कार्रवाई में पूरी जानकारी देकर सहयोग के लिए सदैव तैयार है।

शिवना रिवर फ्रंट के लिए 12 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक स्वीकृति

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नपाध्यक्ष रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने बताया कि शहर के समग्र विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए माननीय मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव जी एवं नगरीय प्रशासन मंत्री आदरणीय श्री कैलाश विजयवर्गीय जी द्वारा शिवना रिवर फ्रंट हेतु 12 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना के अंतर्गत शिवना नदी के तटों का व्यापक विकास एवं सौंदर्यीकरण किया जाएगा। किले से धँसने वाली मिट्टी को भी रोक दिया जाएगा, जिससे नदी और आसपास का क्षेत्र सुरक्षित रहेगा। रिवर फ्रंट को आकर्षक बनाने हेतु आधुनिक लाइटिंग, भव्य फव्वारे, हरित क्षेत्र, आमोद-प्रमोद की सुविधाएँ, रेस्टोरेंट्स एवं अन्य नागरिक सुविधाएँ विकसित की जाएँगी। अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर शिवना रिवर फ्रंट का निर्माण किया जाएगा, जो मन्दसौर शहर को एक नई पहचान देगा और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा।

गेहूं उपार्जन के लिए 38 किसान पंजीयन केंद्र स्थापित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में गत वर्षानुसार कुल 38 पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं का उपार्जन ई-उपार्जन परियोजना तहत 7 फरवरी से प्रारम्भ होकर 7 मार्च 2026 तक किसान अपना पंजीयन नजदीकी पंजीयन केन्द्र पर निःशुल्क करवा सकते हैं। इस वर्ष सभी किसानों को नवीन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। पूर्व में कराये गये किसान पंजीयन मान्य नहीं होगें।

क्रिकेट का कब्रिस्तान पाकिस्तान, पाकिस्तान सरकार का आत्मघाती कदम

पाकिस्तान सरकार ने आगामी ञ्20 वर्ल्ड कप 26 को श्रीलंका में होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच में शामिल नहीं होने का फैसला कर लिया है। पाकिस्तान ने इस तरह पाकिस्तान क्रिकेट की कब्र ही खोद दी है।

विगत 10 से12 वर्षों में क्रिकेट पाकिस्तान के लिए बोझ बनता जा रहा है और आगामी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 15 फरवरी को भारत के विरुद्ध मैच खेलने से पाकिस्तान सरकार के इनकार ने इस संकट को और गहरा कर दिया है। कयास यह लगाई जा रहे हैं कि भारत से डर कर पाकिस्तान ने मैच खेलने से इनकार कर दिया है गौरतलाप है कि वर्ल्ड कप ञ्20 में आठ में से 7 मैच भारत जीता है और केवल एक मैच पाकिस्तान जीत पाया है। ऐसी परिस्थितियों में यह फैसला खेल से अधिक राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट व्यवस्था में इसके दूरगामी आर्थिक, कूटनीतिक और संस्थागत दुष्परिणाम निश्चित हैं।

भारत पाक मुकाबला केवल एक मैच नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का सबसे बड़ा व्यावसायिक इवेंट माना जाता है। जिससे आईसीसी, मेज़बान देश, ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां, प्रायोजक और स्वयं दोनों क्रिकेट बोर्डों को भारी राजस्व प्राप्त होता है। इन परिस्थितियों में यदि पाकिस्तान इस मैच से पीछे हटता है तो पहला सीधा झटका इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर्स को लगेगा जिन्होंने अरबों रुपये का निवेश इस टूर्नामेंट के अधिकारों में किया है। विज्ञापन अनुबंध, स्लॉट बुकिंग और व्यूअरशिप अनुमानों की रीढ़ भारत-पाक मैच पर ही टिकी होती है। मैच रद्द या पाकिस्तान की अनुपस्थिति की स्थिति में ब्रॉडकास्टिंग कंपनियां आईसीसी से मुआवज़े की मांग करेंगी और यह स्वाभाविक है कि आईसीसी उस क्षतिपूर्ति का बोझ संबंधित बोर्ड यानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और अंततः पाकिस्तान सरकार पर डालने का प्रयास करेगा। विभिन्न मीडिया अनुमानों और पूर्व अनुभवों के आधार पर यह नुकसान लगभग 250 से 300 करोड़ रुपये तक आंका जा रहा है, जो पहले से कर्ज, महंगाई, विदेशी मुद्रा संकट और आईएमएफ की शर्तों से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए अत्यंत गंभीर आर्थिक आघात होगा। इतना ही नहीं यदि आईसीसी इसे टूर्नामेंट की अखंडता और अनुबंध उल्लंघन के रूप में देखती है तो उस पर अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया जा सकता है। जिससे कुल नुकसान और बढ़ेगा, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा शिकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड होगा जो पहले ही आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में है और जिसकी आय का बड़ा हिस्सा आईसीसी के वितरण और भारत-पाक सीरीज की अप्रत्यक्ष लोकप्रियता पर निर्भर करता है। यदि आईसीसी पाकिस्तान को गैर-पेशेवर व्यवहार या राजनीतिक हस्तक्षेप के लिए दोषी मानती है तो उस पर भविष्य के टूर्नामेंटों की मेजबानी से वंचित किया जा सकता है या पांच वर्ष तक के प्रतिबंध जैसी कठोर कार्रवाई की संभावना भी बन सकती है, जो पीसीबी के लिए लगभग विनाशकारी सिद्ध होगी क्योंकि तब न केवल राजस्व रुकेगा बल्कि खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर भी सीमित हो जाएगा।

पाकिस्तान का यह तर्क कि उसने बांग्लादेश के भारत न आकर खेलने के फैसले के समर्थन में यह कदम उठाया है, तो यह फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट जगत में ज्यादा वजन नहीं रखता क्योंकि आईसीसी का ढांचा द्विपक्षीय राजनीतिक समर्थन नहीं बल्कि लिखित अनुबंधों और तय कार्यक्रमों पर आधारित होता है। खेल की वैश्विक संस्था भावनात्मक या वैचारिक समर्थन से नहीं बल्कि व्यावसायिक अनुशासन से चलती है। पाकिस्तान का यह निर्णय उसे नैतिक ऊंचाई नहीं बल्कि प्रशासनिक अविश्वसनीयता की श्रेणी में खड़ा करता है। भारत की स्थिति इस पूरे विवाद में अपेक्षाकृत मजबूत है क्योंकि बीसीसीआई न केवल आर्थिक रूप से दुनिया का सबसे ताकतवर बोर्ड है बल्कि आईसीसी की आय का सबसे बड़ा स्रोत भी है। इसलिए किसी भी विवाद में आईसीसी संतुलन साधने का प्रयास करेगी लेकिन अंततः नुकसान उसी को उठाना पड़ेगा जो आयोजन को बाधित कर रहा है। पाकिस्तान में क्रिकेट को लेकर पहले ही अस्थिरता रही है,कभी सुरक्षा कारण, कभी सरकार का हस्तक्षेप, कभी बोर्ड की अंदरूनी राजनीति इन सबने मिलकर पाकिस्तान क्रिकेट की विश्वसनीयता को कमजोर किया है और यह फैसला उसी कड़ी का अगला अध्याय लगता है। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्रिकेट को ÷कब्रिस्तान÷ बनने से बचाना चाहता है तो उसे यह समझना होगा कि आधुनिक क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि वैश्विक उद्योग है जहां भावनाओं से अधिक अनुबंध और पेशेवर प्रतिबद्धता मायने रखती है, भारत के खिलाफ न खेलने का निर्णय घरेलू राजनीति में भले ही तालियां बटोर ले, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह पाकिस्तान को अलग-थलग करने की दिशा में एक और कदम साबित हो सकता है। अंततः नुकसान केवल सरकार या बोर्ड का नहीं होगा बल्कि उन खिलाड़ियों का होगा जिनके करियर, मेहनत और सपने इस अव्यवस्था की भेंट चढ़ेंगे, इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि इस फैसले ने पाकिस्तान ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी नहीं बल्कि क्रिकेट रूपी आखिरी सहारे पर भी गहरी चोट कर दी है। यदि समय रहते आत्ममंथन नहीं हुआ तो आने वाले वर्षों में पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के पन्नों में गौरव से नहीं बल्कि चेतावनी के उदाहरण के रूप में दर्ज हो सकता है।

-संजीव ठाकुर

सम्पादकीय

अप्रकाशित किताब, बड़े दावे और खाली हाथ राहुल गांधी

2 फरवरी 2026 का दिन भारतीय संसदीय इतिहास में एक और तीखे और दुर्भाग्यपूर्ण टकराव के रूप में दर्ज हो गया। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की बहस, जो सामान्यतः सरकार की नीतियों पर गंभीर और मर्यादित विमर्श का अवसर होती है, उस दिन राहुल गांधी की आक्रामक राजनीति और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तथ्यपरक दृढ़ता की भेंट चढ़ गई। लोकसभा का वातावरण अचानक उग्र हो उठा, तर्कों की जगह शोर ने ले ली और संसद की गरिमा एक बार फिर कठघरे में खड़ी दिखाई दी। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चीन, डोकलाम और गलवान का मुद्दा उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन उनका तरीका, उनका स्रोत और उनकी प्रस्तुति ही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर सामने आ गई।

राहुल गांधी ने अपने भाषण में पूर्व सेना प्रमुख जनरल एम.एम. नरवणे की कथित अप्रकाशित किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी का हवाला देते हुए यह सनसनीखेज दावा कर दिया कि चार चीनी टैंक भारतीय सीमा में घुसे थे और डोकलाम की एक रणनीतिक रिज पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने इसे सीधे-सीधे मोदी सरकार की विफलता करार दिया और चुनौती भरे लहजे में सवाल उछाला कि सरकार सच से डर क्यों रही है? पहली नजर में यह आरोप चौंकाने वाला था, लेकिन जैसे ही उसके स्रोत की सच्चाई सामने आई, पूरा तर्क खोखला और आधारहीन नजर आने लगा। संसद कोई मंच नहीं है, जहां अप्रमाणित और अप्रकाशित स्रोतों के सहारे गंभीर आरोप उछाल दिए जाएं।

यहीं से राहुल गांधी की राजनीतिक रणनीति पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे। संसद के नियम 349 के तहत किसी भी अप्रकाशित, असत्यापित या अप्रामाणिक स्रोत से उद्धरण देना सख्त रूप से निषिद्ध है। जनरल नरवणे की किताब न तो प्रकाशित हुई थी और न ही उसे किसी आधिकारिक प्रक्रिया के तहत संसद के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। इसके बावजूद राहुल गांधी ने कारवां मैगजीन के एक लेख को आधार बनाकर पूरे सदन को गुमराह करने का प्रयास किया। यह केवल संसदीय नियमों का उल्लंघन नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर घोर गैर-जिम्मेदाराना रवैये का भी परिचायक था।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस पर बिना किसी हिचक के कड़ा और स्पष्ट ऐतराज जताया। शांत लेकिन सधे हुए शब्दों में उन्होंने सवाल किया कि राहुल गांधी आखिर किस किताब का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे न उन्होंने स्वयं देखा है और न ही संसद के पास उसका कोई आधिकारिक संज्ञान है। राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि जनरल नरवणे ने कोई नई या गंभीर जानकारी होती, तो वह संवैधानिक मर्यादाओं के तहत सीधे सरकार को अवगत कराते। उन्होंने यह भी दोहराया कि नरवणे ने कभी अपनी किताब के प्रकाशन को लेकर किसी तरह की कानूनी लड़ाई नहीं लड़ी। रक्षा मंत्री का यह तर्कपूर्ण जवाब न सिर्फ संसदीय नियमों पर आधारित था, बल्कि राहुल गांधी के पूरे राजनीतिक नैरेटिव की बुनियाद को ही हिला देने वाला साबित हुआ।

बहस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह का हस्तक्षेप राहुल गांधी के लिए और अधिक असहज साबित हुआ। अमित शाह ने साफ शब्दों में कहा कि जिस लेख का हवाला दिया जा रहा है, वह भी उसी अप्रकाशित किताब पर आधारित है, जिसे संसद में उद्धृत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी से सीधा सवाल किया कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के बीच अचानक चीन का मुद्दा उठाने का उद्देश्य क्या है। यह संकेत स्पष्ट था कि मामला राष्ट्रहित से अधिक राजनीतिक लाभ का था। भाजपा सांसदों की नारेबाजी और स्पीकर ओम बिरला की बार-बार चेतावनियों के बीच सदन की कार्यवाही लगातार बाधित होती रही।

राहुल गांधी का रवैया इस पूरे घटनाक्रम में उनके पुराने राजनीतिक पैटर्न को ही दोहराता दिखा। नियमों की अनदेखी करना, विवाद खड़ा करना, खुद को अकेला सच बोलने वाला दिखाना और जब जवाब मिले तो हंगामे का सहारा लेना—यह कोई नया तरीका नहीं था। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भारत-चीन संबंधों पर चर्चा नहीं हो सकती, जबकि असल फर्क चर्चा और अफवाह के बीच होता है। भाजपा ने तुरंत जनरल नरवणे का पुराना बयान सामने रखा, जिसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि न एक इंच जमीन गई है। यह राहुल के दावे पर सीधा और निर्णायक प्रहार था।

यह पूरी बहस इस बात को उजागर करती है कि राहुल गांधी किस तरह राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को भी राजनीतिक हथियार बना लेते हैं। गलवान में शहीद हुए 20 जवानों का बलिदान पूरे देश के लिए पीड़ा का विषय है, लेकिन बिना ठोस प्रमाण उस मुद्दे को बार-बार उठाना न तो संवेदनशीलता है और न ही जिम्मेदार विपक्ष का आचरण। राजनाथ सिंह ने सही कहा कि सेना की प्रतिष्ठा और देश की सुरक्षा पर सवाल उठाने के दूरगामी परिणाम होते हैं। ऐसे बयान सेना का मनोबल गिराते हैं और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करते हैं।

सहजयोग में तर्क व बुद्धिवाद से उत्पन्न सभी प्रश्नों का हल पाना संभव है

नास्तिकता का अर्थ है ईश्वर या किसी भी देवता के अस्तित्व में विश्वास न करना। व्यक्ति जो किसी भी धर्म को नहीं मानता, उसे भी नास्तिक कहा जाता है। नास्तिकता ईश्वर के अस्तित्व को नकारती है । ऐसे व्यक्ति मानते हैं कि ईश्वर का अस्तित्व झूठ है, या ईश्वर का अस्तित्व अत्यंत कम संभावना वाली एक काल्पनिक परिकल्पना है। फिर भी यह बात बनी हुई है कि नास्तिकता का ऐसा लक्षण-चित्रण अन्य तरीकों से अपर्याप्त है।

कहा जाता है कि हम आस्तिक को नास्तिक बना सकते हैं, लेकिन नास्तिक को आस्तिक बनाना अत्यंत कठिन सा लगता है क्योंकि नास्तिकता सत्य, तर्क, बुद्धिवाद, विवेकवाद, विज्ञान से जुड़ा हुआ सिद्धांत हैं। ऐसे व्यक्ति आँख बंद करके परम्परा से चली आ रही अवधारणाओं पर सहज विश्वास नहीं कर पाते। वे खुद सत्य और असत्य की खोज करेंगे, सत्य को महसूस करेंगे तो ही मानेंगे, नहीं होगा तो उसे उधर ही छोड़ देंगे।

वास्तव में ऐसे व्यक्ति प्रमाण चाहते हैं कि ईश्वर सचमुच है, वे सत्य की खोज में रहते हैं। सहजयोग ध्यान में आप परम चैतन्य की उपस्थिति को प्रत्यक्ष अनुभव कर सकते हैं। यह अनेक बार वैज्ञानिक, चिकित्सकीय, मानसिक व शारीरिक स्तरों पर लाखों व्यक्तियों द्वारा अनुभव किया जा सका है। अत~ प्रत्येक वह व्यक्ति जो परम शक्ति की प्रमाणिकता को अनुभव करना चहता है शुद्ध इच्छा लिए वह सहज योग केंद्र में आ सकता है, शर्त सिर्फ यह है कि वह अपनी शुद्ध इच्छापूर्ति हेतु अडिग रहे। ??

सहज योग केंद्र में श्री माताजी के समक्ष सहजयोगी साधक जब नये साधकों को आत्मसाक्षात्कार देते हैं तो नये साधकों की शुद्ध इच्छा के कारण कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है और कुंडलिनी के रीढ़ की हड्डी से होते हुये उपर उठते ही सभी चक्र व नाड़ियाँ संतुलित होने लगती हैं और हमारे अंदर ईश्वरीय शक्ति चैतन्य रुप में प्रवाहित होने लगती है। यही ईश्वर के होने का सबूत है।

ईश्वर को लेकर असमंजस की स्थिति वाले लोग जब अशांत प्रकृति को लेकर सहज योग में आते हैं, तब उनके पूर्व के अनुभव के आधार पर वे बताते हैं कि बिना सोचे समझे दूसरों का अनुसरण करने और गलत गुरुओं के पास जाने से उनकी स्थिति ऐसी हुई है। ऐसे लोग भी सहज योग ध्यान धारणा के बाद दिव्य शक्ति के अनुभव से शांत होकर, राहत महसूस करने लगते हैं। ध्यान में उतरते ही बहुत से सुखद संयोग घटित होते हैं, कई चमत्कारों का अनुभव होता है और अंततः वे यह समझने लगते हैं कि कोई शक्ति है जो उन्हें सही मार्ग पर ले जा रही है। यदि आप पवित्र इच्छा से सहज योग में आकर ईश्वरीय शक्ति की अनुभूति लेना चाहते हैं तो आपका हमारे सहज योग केंद्रों में स्वागत है।

मन को जीत लो, संसार स्वयं जीत में बदल जाएगा

हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत गूढ़ और सार्थक पंक्ति कही गई है- मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। इसका आशय यह है कि जीवन में हार और जीत का वास्तविक निर्धारक बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि मन की स्थिति होती है। परिस्थितियाँ तो केवल माध्यम हैं, असली निर्णायक की भूमिका तो मनुष्य मन निभाता है। यदि मन डर, शंका और निराशा से घिरकर पहले ही हार मान ले, तो साधन, संसाधन और अवसर होते हुए भी पराजय निश्चित हो जाती है। इसके विपरीत, यदि मन दृढ़, साहसी, सकारात्मक और विश्वास से भरा हो, तो विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी जीत संभव हो जाती है। वास्तव में, जीवन की हर हार और जीत पहले मन में घटती है, उसके बाद वास्तविक जीवन में दिखाई देती है। जो व्यक्ति मन से हार जाता है, वह कभी जीत नहीं सकता,लेकिन जिसने मन में यह ठान लिया कि वह जीतेगा और हर हाल में जीतेगा, वह अंततः विजयी होता ही है। हमारी पराजय या विजय शारीरिक शक्ति पर नहीं, बल्कि मानसिक दृढ़ता पर निर्भर करती है। जब हम मन से यह स्वीकार कर लेते हैं कि हम नहीं जीत सकते, उसी क्षण हमारी आधी शक्ति समाप्त हो जाती है। वहीं अटूट विश्वास हमें कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता दिखा देता है। याद रखिए कि भय मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। भय से ही चिंताओं का जन्म होता है और ये चिंताएँ अक्सर अनावश्यक कल्पनाओं से उपजती हैं। जब व्यक्ति उन बातों की कल्पना करने लगता है, जो अभी घटित ही नहीं हुई हैं, तो उसके भीतर भय पैदा होता है। यही भय उसे सकारात्मक सोचने, आगे बढ़ने और पूर्ण रूप से जीने से रोक देता है।मनुष्य विशेष रूप से उन चीज़ों से अधिक डरता है, जिन्हें वह देख नहीं सकता। जो संकट अभी आया ही नहीं है-अर्थात भविष्य की चिंता-वह मन में एक 'भूत' की तरह होता है। उसका कोई निश्चित आकार नहीं होता, इसलिए वह और अधिक डरावना प्रतीत होता है। यह अनदेखा डर व्यक्ति को भीतर ही भीतर भयभीत करता रहता है और अंततः वह बिना लड़े ही हार मान लेता है।इसके विपरीत, जो व्यक्ति इन आशंकाओं से ऊपर उठकर संकल्प करता है, मेहनत करता है और संघर्ष करता है, वह बड़ी से बड़ी कठिनाइयों को भी पार कर लेता है। इतिहास इसके अनेक उदाहरणों से भरा पड़ा है। उदाहरण के तौर पर अरुणिमा सिन्हा ने एक दुर्घटना में अपना पैर खो देने के बावजूद मन से हार नहीं मानी और विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह किया। अब्राहम लिंकन जीवन में कई चुनाव हारने के बाद भी विचलित नहीं हुए और अंततः अमेरिका के राष्ट्रपति बने। ये उदाहरण सिद्ध करते हैं कि परिस्थितियाँ नहीं, मनुष्य का मन ही उसकी नियति तय करता है। वास्तव में मनुष्य मन जानता है कि संकटों से कैसे निपटना है, लेकिन मन चंचल भी होता है। नकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को जल्दी आकर्षित करती है और वह उन बातों को लेकर चिंतित हो जाता है, जिनका कोई वास्तविक आधार नहीं होता। वह भविष्य की चिंता और अतीत की स्मृतियों में उलझकर अपना वर्तमान खो देता है, जबकि सच्चाई यह है।

-धनंजय राजौरा

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया। परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया।

यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है। किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो।

संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है।

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी। गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। जबकि सच्चाई यह है और सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। कांग्रेस की भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन आवश्यक है। एक समय देश को नेतृत्व देने वाली पार्टी आज बार-बार ऐसे प्रसंगों में उलझती दिखती है, जहां बयानबाजी मुद्दों पर भारी पड़ जाती है। राहुल गांधी एक प्रभावशाली वक्ता हैं, जनभावनाओं को छूने की क्षमता रखते हैं और युवाओं में संवाद स्थापित कर सकते हैं। किंतु यही कारण है कि उनसे अधिक जिम्मेदारी की अपेक्षा भी की जाती है।

-ललित गर्ग

मासिक धर्म और सैनिटरी पैडः स्कूलों में गरिमा की परीक्षा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूलों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराने और मासिक धर्म स्वच्छता को अनिवार्य करने संबंधी निर्देश केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज की उस सामूहिक सोच को आईना दिखाते हैं, जिसमें आज भी मासिक धर्म को संकोच, चुप्पी और उपेक्षा के साथ देखा जाता है। यह फैसला स्पष्ट करता है कि मासिक धर्म महज़ स्वास्थ्य या स्वच्छता का मुद्दा नहीं, बल्कि गरिमा, समानता और शिक्षा के अधिकार से जुड़ा एक गंभीर संवैधानिक प्रश्न है।

भारत जैसे देश में, जहाँ संविधान समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार सुनिश्चित करता है, वहाँ लाखों छात्राओं का मासिक धर्म के दौरान असुरक्षित और अपमानजनक परिस्थितियों में पढ़ाई करने को मजबूर होना व्यवस्था की गहरी विफलता को उजागर करता है। अदालत का यह हस्तक्षेप इसी विफलता को दूर करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है। यह याद दिलाता है कि अधिकार केवल काग़ज़ों में दर्ज घोषणाएँ नहीं होते, बल्कि उनका वास्तविक अर्थ तभी है, जब वे ज़मीनी हकीकत में दिखाई दें।

मासिक धर्म को लंबे समय तक केवल एक जैविक प्रक्रिया मानकर नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है। परिणामस्वरूप यह विषय स्वास्थ्य मंत्रालय या स्कूल प्रबंधन की सीमित जिम्मेदारी बनकर रह गया। सच्चाई यह है कि मासिक धर्म सामाजिक, शैक्षिक और मानसिक स्तर पर गहरे प्रभाव डालता है। स्वच्छता सुविधाओं और सही जानकारी के अभाव में छात्राओं को न केवल संक्रमण और बीमारियों का खतरा रहता है, बल्कि शर्म और भय के कारण वे नियमित रूप से स्कूल आने से भी कतराने लगती हैं। कई मामलों में यह स्थिति स्थायी स्कूल ड्रॉपआउट का कारण बन जाती है।

अनेक अध्ययन यह दर्शाते हैं कि मासिक धर्म के दौरान उचित प्रबंधन की कमी के कारण बड़ी संख्या में किशोरियाँ हर महीने कई दिनों तक स्कूल नहीं जातीं। यह अनुपस्थिति धीरे-धीरे सीखने की प्रक्रिया को कमजोर करती है और अंततः शिक्षा से पूरी तरह कट जाने का जोखिम बढ़ा देती है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम वास्तव में सबके लिए शिक्षा के लक्ष्य के प्रति ईमानदार हैं, या यह केवल नीतिगत दस्तावेज़ों तक सीमित नारा बनकर रह गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस तथ्य को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है कि मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी सीधे तौर पर शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। जब स्कूलों में अलग और स्वच्छ शौचालय, साफ़ पानी, साबुन और सैनिटरी पैड जैसी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होतीं, तो छात्राओं के लिए नियमित रूप से विद्यालय जाना व्यावहारिक रूप से कठिन हो जाता है। यह स्थिति लैंगिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि जहाँ लड़कों की शिक्षा बिना किसी जैविक बाधा के चलती रहती है, वहीं लड़कियों को एक प्राकृतिक प्रक्रिया के कारण पीछे धकेल दिया जाता है।

यह असमानता संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 की भावना के विरुद्ध है, जो समानता और भेदभाव-रहित समाज की अवधारणा को आधार प्रदान करते हैं। केवल अवसर की समानता पर्याप्त नहीं होती, जब तक उस अवसर तक पहुँचने के साधन भी समान न हों। मासिक धर्म स्वच्छता की अनदेखी करके हम अनजाने में ही लड़कियों को उस बराबरी से वंचित कर देते हैं, जिसका वादा संविधान करता है।

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं का अभाव महिलाओं और किशोरियों के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन है। जब किसी छात्रा को असुरक्षित और अवैज्ञानिक साधनों का उपयोग करने को मजबूर होना पड़े, तो यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा पर सीधा आघात है। संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन को केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं करता, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा के साथ जीवन जीने का अधिकार भी सुनिश्चित करता है।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को तोड़ता है कि सैनिटरी पैड या स्वच्छ शौचालय कोई अतिरिक्त सुविधा हैं। वास्तव में ये आवश्यक अधिकार हैं, जिनके बिना न तो स्वास्थ्य सुरक्षित रह सकता है और न ही शिक्षा का अधिकार सार्थक हो सकता है। इस दृष्टि से अदालत का यह आदेश एक सामाजिक चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

हालाँकि भारत में न्यायिक आदेशों की सबसे बड़ी चुनौती उनके प्रभावी क्रियान्वयन में दिखाई देती है। कई बार नीतियाँ और दिशा-निर्देश घोषणाओं और फाइलों तक सीमित रह जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं इस आशंका को ध्यान में रखते हुए कहा है कि यह निर्णय केवल अदालती आदेश या कानूनी पुस्तकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका वास्तविक असर स्कूलों और छात्राओं के जीवन में दिखाई देना चाहिए। सरकारी और निजी, शहरी और ग्रामीण—सभी स्कूलों में इन निर्देशों को समान रूप से लागू करना अनिवार्य है।

इस संदर्भ में निजी स्कूलों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। अक्सर निजी शिक्षण संस्थान स्वयं को सरकारी योजनाओं और सामाजिक उत्तरदायित्व से अलग मान लेते हैं। अदालत का आदेश इस सोच को स्पष्ट रूप से खारिज करता है और बताता है कि बच्चों के अधिकार के मामले में सरकारी और निजी का भेद स्वीकार्य नहीं हो सकता। यदि निजी स्कूल उच्च शुल्क वसूल सकते हैं, तो वे छात्राओं की बुनियादी स्वच्छता और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि केवल आदेश और नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज की सोच में बदलाव नहीं आता, तब तक ऐसी पहल अधूरी ही रहेंगी। मासिक धर्म को लेकर फैली चुप्पी, अंधविश्वास और शर्म की भावना इस समस्या को और जटिल बनाती है। स्कूलों में मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन केवल पैड वितरण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जागरूकता, संवाद और वैज्ञानिक जानकारी को भी शिक्षा प्रक्रिया का हिस्सा बनाना चाहिए। लड़कों को भी इस चर्चा से अलग नहीं रखा जाना चाहिए, क्योंकि संवेदनशील और समान समाज की नींव तभी पड़ती है, जब समझ साझा होती है।

केंद्र और राज्य सरकारों के लिए यह आदेश केवल अनुपालन की बाध्यता नहीं, बल्कि सुधार का अवसर है। पर्याप्त बजट आवंटन, प्रभावी निगरानी तंत्र और स्पष्ट जवाबदेही तय किए बिना यह पहल सफल नहीं हो सकती। अदालत द्वारा निर्धारित समय-सीमा यह स्पष्ट संकेत देती है कि इस मुद्दे को अब और टाला नहीं जा सकता।

अंततः यह फैसला हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन उसके सबसे कमजोर वर्ग के साथ किए गए व्यवहार से होता है। छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सुविधाएँ देना कोई उपकार नहीं, बल्कि एक संवैधानिक दायित्व है। अब असली परीक्षा यह है कि यह निर्णय काग़ज़ों से निकलकर ज़मीन पर उतरता है या नहीं। यदि ऐसा होता है, तो यह न केवल स्कूलों की तस्वीर बदलेगा, बल्कि उस सोच को भी बदलने की दिशा में निर्णायक कदम होगा, जो अब तक मासिक धर्म को अधिकार नहीं, बल्कि बोझ समझती आई है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ

कागजों में टेंडर, हकीकत में खेल, देवास स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

दो माह बाद भी नहीं खुले ठहरने-भोजन व्यवस्था के टेंडर, डीडी राशि अटकी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग में पूर्व में सामने आ चुकी आर्थिक अनियमितताओं के बावजूद विभागीय कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठते जा रहे हैं। ताजा मामला जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा ठहरने एवं भोजन व्यवस्था के लिए आमंत्रित किए गए टेंडरों से जुड़ा है, जो दो माह बीत जाने के बाद भी अंतिम रूप से ओपन नहीं हो सके हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति के हस्ताक्षर से 23 नवंबर 2025 को ठहरने व भोजन व्यवस्था के टेंडर आमंत्रित किए गए थे, जिन्हें 30 नवंबर 2025 को खोला जाना था। हालांकि विभागीय अधिकारियों द्वारा यह प्रक्रिया 2 दिसंबर 2025 को की गई। इस दौरान होटल विश्वास, होटल खेड़ापति इंटरनेशनल और एस.के. कंस्ट्रक्शन के टेंडर प्राप्त हुए।

बताया जा रहा है कि टेंडर खुलने के बावजूद अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस फर्म की क्या दर रही। वहीं टेंडर प्रक्रिया के तहत ली गई 25-25 हजार रुपये की डीडी भी अब तक स्वास्थ्य विभाग में ही जमा बताई जा रही है। नियमों के अनुसार टेंडर स्वीकृति के बाद शेष फर्मों की राशि लौटाई जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

सूत्रों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया को जानबूझकर आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है, जिससे विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर संदेह गहराता जा रहा है। इस पूरे मामले में कामाक्षी दुबे की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

गौरतलब है कि हाल ही में जिला अस्पताल निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने टेंडर शीघ्र खोलने के निर्देश दिए थे, लेकिन उनके निर्देशों पर अमल नहीं किया गया।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक से संपर्क करने का प्रयास किया गया, किंतु उनसे बात नहीं हो सकी।

अब देखना यह होगा कि टेंडर प्रक्रिया को कब तक पूर्ण किया जाता है और अटकी हुई राशि को लेकर विभाग क्या स्थिति स्पष्ट करता है।

दिये गये लक्ष्यानुसार वसुली नही करने पर कर्मचारियों पर की कार्यवाही

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम की आय के प्रमुख स्त्रोत संपत्तिकर की वसुली निगम सीमा क्षेत्र के संपत्तिकर दाताओं से करने हेतु आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम राजस्व निरीक्षकों, राजस्व उपनिरीक्षकों एवं उनके सहायकों का लक्ष्य निर्धारित कर लक्ष्यानुरूप वसुली करने के निर्देश दिये गये है। बकाया संपत्तिकर की वसुली की समीक्षा आयुक्त के द्वारा निगम बैठक हाल मे की गई।

लक्ष्यानुरूप वसुली नही करने पर वसुलीकर्ताओं का वेतन कटा - वार्ड 28, 29, 31, 37, 38, 43, 44, एवं 45 के प्र. सहायक राजस्व निरीक्षकों ने दिये गये साप्ताहिक लक्ष्य अनुरूप वसुली नही करने पर 3 दिवस के वेतन काटने के साथ ही जलकर की वसुली मे भी उपयंत्रियों को प्रगति लाने हेतु आयुक्त ने कहा।

लक्ष्यानुरूप वसुली करने पर आयुक्त ने की प्रशंसा- वार्ड 4, एवं 13 के प्र. सहायक राजस्व निरीक्षकों के द्वारा लक्ष्यानुरूप वसुली करने पर आयुक्त ने प्रशंसा करते हुये प्र. राजस्व अधिकारी को जिन बकायादारों को संपत्तिकर के न्यायालयीन आदेश के बिल तामिल किये गये थे उन बकायादारों द्वारा लोक अदालत मे भी बकाया राशि जमा नही की है उन पर न्यायालयीन कार्यवाही के प्रकरण तैयार कर कार्यवाही करने हेतु कहा।

संपत्तिकर के बकायादारों पर करें कुर्की की कार्यवाही- जिन बकायादारों द्वारा राशि जमा नही की जा रही है और ऐसे बकायादार जिन्होनें लोक अदालत मे भी संपत्तिकर, निगम स्वामित्व की दुकान किराये की राशि जमा नही की उन पर कुर्की की कार्यवाही के साथ दुकानें सील करने के निर्देश दिये। कचरा संग्रहण शुल्क वसुली को लेकर आयुक्त के आदेश अनुरूप वसुली नही करने पर वार्ड 14, 15, 34, 35, 38, 39 के वसुलकर्ताओं के 7 दिवस के वेतन काटे जाने के साथ वार्ड 44 के वसुलीकर्ता की वेतन वृद्धि रोकी गई।

फिर संतरा कैसे बने जिले की पहचान, किसानों को बताए उपाय

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम गिरवर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में मंगलवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें 100 से अधिक प्रगतिशील किसान उपस्थित हुए, जिन्हें संतरे की खेती में आ रही समस्या के निदान के बारे में कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने उचित सलाह दी। साथ ही उचित मार्गदर्शन भी दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. जीआर अंबावतिया ने किसानों को बताया कि जिले में संतरे की खेती 12 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में होती है। जब आगर जिला शाजापुर में शामिल था तब इसका रकबा काफी बड़ा था। उन्होंने किसानों को बताया कि पिछले तीन सालों से संतरे में अफलन की स्थिति बन रही है। जिसका मुख्य कारण फसल में लग रहे कीड़े और पानी का उचित प्रबंधन न होना है। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि वे संतरे की दोबारा अच्छी उपज के लिए पानी का उचित प्रबंधन करें। साथ ही इसमें लगने वाला काली नामक कीड़ा है जो संतरे की क्वालिटी को खराब करता है इसको खत्म करने के लिए संतरे की फसल में हीमीडाक्लोबीड नामक दवा का छीड़काव करें ताकि क्वालिटी खराब न हो। साथ ही संतरे के बगीचे में कम पानी वाली फसल लें।

अमलतास इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ के पैरामेडिकल छात्रों ने रचा इतिहास; BPT और BMLT का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को बरकरार रखते हुए, देवास स्थित अमलतास इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़ (पैरामेडिकल साइंसेज़) ने एक बार फिर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी और बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी सत्र 2022-2023 का परीक्षा परिणाम 100त्न (शत-प्रतिशत) रहा है।

संस्थान द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, दोनों ही पाठ्यक्रमों के सभी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की है। इस गौरवशाली उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए प्रबंधन ने इसे विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल बताया है।

पेरामेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. स्नेह सहाय यूथम द्वारा बताया गया की BPT और BMLT बैच 2022-2023 की यह सफलता हमारे विद्यार्थियों की प्रतिबद्धता, समर्पित शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और सहयोगी प्रबंधन के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है। अमलतास इंस्टिट्यूट सदैव अपने छात्रों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

अमलतास वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। छात्रों ने अपनी इस सफलता का श्रेय संस्थान के आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और लैब सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षकों द्वारा दी गई व्यक्तिगत अटेंशन को दिया है।

फिर कोहरे से हुई दिन की शुरूआत, हाईवे पर रेंगते हुए चले वाहन

एक सप्ताह से बार-बार बदल रहा मौसम, सेहत पर पड़ रहा असर

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले एक सप्ताह से नगर का मौसम बार-बार बदल रहा है। दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है तो रात में फिर मौसम सर्द हो रहा है। वहीं मंगलवार को नगरवासियों का सामना फिर घने कोहरे के साथ हुआ जिसकी विजिबिलिटी भी काफी कम रही। यही कारण था कि सुबह-सुबह हाईवे से वाहनों को रेंगते हुए रास्ता पार करना पड़ा।

मंगलवार को दिन व रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। इस दिन अधिकतम तापमान 28 से घटकर 26 डिग्री पहुंच गया। जबकि रात का तापमान 13.6 से घटकर 12.5 डिग्री दर्ज किया गया। इस दिन हवाओं की गति भी 12 से बढ़कर 15 किमी दर्ज की गई। जिसके चलते लोगों को दिनभर सर्दी का एहसास होता रहा। इधर कोहरा छाने से दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को दुर्घटना से बचने के लिए हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। सुबह करीब 8.30 बजे के बाद कोहरा धीरे-धीरे छटा, जिससे काम पर निकलने वाले लोगों को कुछ राहत मिली। हालांकि ठंडी हवाओं के कारण सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस की गई। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मंगलवार सुबह हल्का कोहरा था। उन्होंने अनुमान जताया है कि अगले दो से तीन दिनों तक हल्के बादल छाए रह सकते हैं और बीच-बीच में धूप भी निकलेगी। शनिवार से मौसम के पूरी तरह साफ होने की उम्मीद है।

सर्दी-खांसी व बुखार के हो रहे शिकार- बार-बार मौसम बदलने से लोगों की सेहत पर इसका विपरीत असर हो रहा है। बार-बार तापमान बढ़ने और कम होने से लोगों को सर्दी व खांसी की शिकायत होने लगी है। वहीं कई लोग बुखार से भी पीड़ित हो रहे हैं। जिला अस्पताल में भी इसी वजह से मरीजों की संख्या बढ़ रही है। जिन्हें चिकित्सक सावधानी बरतने की सलाह देने के साथ ही एंटीबायोटिक दवाएं दे रहे हैं।

अमलतास परिसर में अवैध कब्जे का प्रयास, महिला द्वारा झूठे आरोप व धमकियों से अस्पताल का माहौल बिगाड़ने की कोशिश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमलतास अस्पताल परिसर में अवैध रूप से झोपड़ी बनाकर कब्जा करने के प्रयास का मामला सामने आया है। इस संबंध में एक महिला द्वारा जनसुनवाई में आवेदन दिया गया, जिसमें अस्पताल के कर्मचारियों पर मारपीट जैसे गंभीर आरोप लगाए गए। अस्पताल प्रबंधन ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार और असत्य बताया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त महिला अपने पति का डायलिसिस उपचार कराने अमलतास अस्पताल आई थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते महिला को अमलतास अस्पताल में आउटसोर्स के माध्यम से कार्य दिया गया। कुछ समय बाद ही महिला द्वारा अस्पताल के कर्मचारियों को डराने-धमकाने, झूठे आरोप लगाने और ब्लैकमेल करने की घटनाएँ सामने आने लगीं।

बताया जा रहा है कि महिला द्वारा अमलतास अस्पताल परिसर में अवैध रूप से झोपड़ी बनाकर कब्जा कर लिया गया है और उसे खाली न करने की धमकी दी जा रही है। साथ ही कर्मचारियों से पैसों की मांग भी की जा रही है। महिला के पति का इलाज पूर्ण हो चुका है, इसके बावजूद महिला द्वारा कब्जे की नीयत से लगातार विवाद किया जा रहा है।

महिला की धमकियों और आए दिन के विवाद के कारण आउटसोर्स कर्मचारी भय के माहौल में काम करने को मजबूर हैं। कई बार कर्मचारियों को महिला के डर के चलते काम न करने के लिए भी कहा गया, जिससे अस्पताल की कार्यप्रणाली प्रभावित हुई है।

इस पूरे मामले को लेकर अमलतास अस्पताल प्रबंधन द्वारा BNP थाने में 2 से 3 बार लिखित शिकायत दी जा चुकी है। पुलिस द्वारा महिला को समझाइश भी दी गई है, लेकिन इसके बावजूद विवाद की स्थिति लगातार बनी हुई है।

अस्पताल प्रबंधन ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि अस्पताल परिसर में शांति व्यवस्था बनी रहे और कर्मचारियों को भयमुक्त वातावरण में कार्य करने का अवसर मिल सके।

तीन महीने बाद चला वारदात का पता, घर से चोरी हो गए सोने के आभूषण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के लक्ष्मीनगर क्षेत्र में एक महिला के घर से लाखों रुपये के सोने के आभूषण चोरी होने का मामला सामने आया है। फरियादिया कृष्णा जाटव (48) पति धनराज जाटव निवासी लक्ष्मीनगर ने अपने बेटे राहुल जाटव के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस को दी शिकायत में कृष्णा जाटव ने बताया कि वह घरेलू काम करती हैं। दीपावली के अवसर पर उन्होंने अपने पुराने सोने के आभूषण पहनने के बाद 23 अक्टूबर 2025 की शाम करीब 4 बजे उन्हें घर में रखी अलमारी में सुरक्षित रख दिया था। 29 जनवरी 2026 को सुबह लगभग 11 बजे उनकी बहू प्रियंका को शादी में जाना था, जिसके लिए जब अलमारी खोली गई तो उसमें रखे आभूषण गायब मिले। चोरी हुए आभूषणों में दो सोने के हार, एक सोने की चेन, एक सोने की अंगूठी, एक सोने का टीका, एक सोने की नथ, एक जोड़ी सोने की कान की बाली और एक जोड़ी सोने की झुमकी शामिल हैं। परिजनों ने घर में काफी तलाश की, लेकिन आभूषण नहीं मिले, जिसके बाद अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी किए जाने की आशंका जताई गई। फरियादिया ने पुलिस को यह भी बताया कि चोरी गए आभूषणों के बिल बाद में प्रस्तुत किए जाएंगे। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने जानकारी देते हुए बताया कि फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है फिलहाल में पुलिस द्वारा शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मानक स्तर की सडक निर्माण नही होने पर निगम ने उखाडी सडक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 22 में कायाकल्प अभियान 2.0 के अन्तर्गत जवाहर नगर स्थित आनंद ऋषी नगर में डामर रोड के निर्माण को लेकर आयुक्त दलीप कुमार ने सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी को प्राप्त शिकायत अनुसार गुणवत्ता की जांच के लिये कहा। ठेकेदार द्वारा किये गये सडक निर्माण की गुणवत्ता मे कमी पाई जाने तथा मानक स्तर पर कार्य नही होने पर उक्त डामर सडक को जेसीबी के माध्यम से उखाडनें की कार्यवाही की गई।

स्वंय के व्यय पर ठेकेदार करे सडक निर्माण- उल्लेखनिय है कि निगम द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्य मानक स्तर पर हो एवं गुणवत्तायुक्त कार्य कराये जाने के निर्देश आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को दिये। जिसके अन्तर्गत कायाकल्प योजना 2.0 में आनंद ऋषी नगर में 20 लाख की लागत से हाल ही मे की गई सडक निर्माण गुणवत्तायुक्त नही पाये जाने पर निगम जेसीबी के माध्यम से सडक निर्माण को उखाड देने की कार्यवाही की गई। की गई कार्यवाही के अन्तर्गत ठेकेदार को उक्त डामर सडक स्वंय के व्यय पर पुन- निर्माण करने हेतु निर्देशित किया गया।

ठेकेदार द्वारा समयावधि के कार्यो में सुधार कार्य नही होता है तो होगी कार्यवाही- आयुक्त के निर्देशन में चल रहे निर्माण कार्य या किये जा चुके निर्माण कार्य की संधारण समयावधि में किये गये सडक निर्माण या निगम के अन्य निर्माण कार्यो में कमी पाई जाती है या सुधार कार्य होना है उन कार्यो को ठेकेदार के स्वयं के व्यय पर कार्य कराने के निर्देश आयुक्त ने विभागीय अधिकारियों को दिये। ठेकेदार द्वारा संधारण समयावधि के कार्यो में सुधार कार्य नही किया जाता है तो संबंधित ठेकेदारों की जमा अमानत राशि राजसात कर ब्लेक लिस्टेड करने की कार्यवाही भी की जावेगी। कार्यवाही के दौरान वार्ड पार्षद प्रतिनिधि रूपेश वर्मा, निगम उपयंत्री भूमिका जैन व वार्डवासी उपस्थित रहे।

बच्चों के माध्यम से घर-घर पहुंचेगा यातायात सुरक्षा का संदेश, ट्राफिक पुलिस ने ढूंढा नियमों का पालन करवाने का तरीका

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में यातायात के नियमों का पालन करवाने के लिए अब ट्राफिक पुलिस द्वारा नया तरीका निकाला गया है। जिसके माध्यम से वे घर-घर यातायात सुरक्षा का संदेश पहुंचा सकेंगे। इसके लिए विभाग द्वारा स्कूलों में बच्चो को जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जब घर के छोटे बच्चे बड़ों को टोकेंगे, तो वे ट्रैफिक नियमों का पालन करने में लापरवाही नहीं बरतेंगे। यातायात जागरूकता अभियान के तहत पुलिस की टीम स्कूलों में जाकर बच्चों को सुरक्षा दूत बना रही है। यातायात थाना प्रभारी सौरव शुक्ला ने बताया कि बच्चों से कहा गया है कि वे अपने घर के बड़ों को सुरक्षित तरीके से सड़क पार करने और गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल न करने की सलाह दें। इस अनोखी पहल से यातायात नियमों का संदेश अब सीधे हर परिवार के घर तक पहुंचेगा और लोग अपनी सुरक्षा के प्रति ज्यादा गंभीर होंगे। इसके लिए यातायात विभाग के अधिकारी सोमवार को सहज पब्लिक स्कूल पहुंचे और बच्चों को सुरक्षा दूत बनाया। जिन्हें समझाया कि वे अपने घर जाकर अपने माता-पिता और सभी बड़ों को बाहर निकलते वक्त नियमों का पालन करने के लिए टोकेंगे तो वे जरूर नियमों का पालन करेंगे और सुरक्षित रहेंगे।

बच्चों ने पूछे सवाल, अधिकारियों ने दिए जवाब- इस अभियान के दौरान स्कूलों में विशेष कार्यक्रम और सवाल-जवाब की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। बच्चों से ट्रैफिक नियमों से जुड़े सवाल पूछे गए, जिनका उन्होंने बहुत ही समझदारी और उत्साह के साथ जवाब दिया। सही उत्तर देने वाले बच्चों को पुलिस ने इनाम देकर प्रोत्साहित किया। थाना प्रभारी ने बच्चों को समझाया कि उनकी एक छोटी सी टोक उनके माता-पिता को किसी भी बड़े हादसे से बचा सकती है।

कर प्रणाली को सरल बनाता है नया आयकर अधिनियम

अपर आयुक्त ने व्यापारियों को दिया मार्गदर्शन, आयकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन परिक्षेत्र के आयकर अपर आयुक्त द्वारा मंगलवार को एक निजी होटल में आयकर जागरूकता कार्यक्रम में शिरकत की। यहां उन्होंने व्यापारियों को नई आयकर प्रणाली व नए आयकर अधिनियम 2025 के बारे में विस्तार से बताया।

अपर आयुक्त अक्षय जैन ने व्यापारियों को बताया कि भारतीय प्रत्यक्ष कर प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार के रूप में लागू होने जा रहा आयकर अधिनियम 2025 न केवल कानून की भाषा और संरचना को सरल बनाता है, बल्कि करदाताओं और कर प्रशासन के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं संवाद को भी सुदृढ़ करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होने वाले इस नए अधिनियम का उद्देश्य कर प्रणाली की जटिलताओं को कम करते हुए एक डिजिटल, करदाता-केंद्रित एवं विवाद-मुक्त कर व्यवस्था स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि नया आयकर अधिनियम 2025 कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इसमें आयकर अधिनियम 1961 की जटिलताओं को दूर करते हुए धाराओं का समेकन एवं सरलीकरण किया गया है, जिससे कर अनुपालन की प्रक्रिया और सरल होगी। यह अधिनियम छोटे एवं बड़े व्यापारियों के साथ-साथ सामान्य करदाताओं के हितों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। डॉ. जैन ने बताया कि नए अधिनियम में ''कर वर्ष'' की एक नई अवधारणा लागू की गई है। इसके अंतर्गत अब तक प्रचलित ''पिछला वर्ष'' और ''मूल्यांकन वर्ष'' जैसे तकनीकी और भ्रमित करने वाले शब्दों को समाप्त कर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की एक ही स्पष्ट अवधि निर्धारित की गई है। उन्होंने नए अधिनियम में किए गए विभिन्न प्रावधानों, उपलब्ध कटौतियों तथा इस कानून को लाने के उद्देश्यों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान भी किया गया। कार्यक्रम को आयकर अधिकारी उमाकांत प्रधान ने भी संबोधित करते हुए व्यापारियों ओर नगरवासियों की जिज्ञासाओं को शांत किया। इस अवसर पर कर सलाहकार संघ, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं करदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कर्मचारी ललित सोनी एवं विकास पंडित ने किया।

जनसुनवाई में पीड़ित परिवार ने दी आत्महत्या की धमकी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के इमलीखेड़ा गांव का एक पीड़ित परिवार मंगलवार को जनसुनवाई में न्याय की गुहार लगाने कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। इस दौरान परिवार की एक महिला अपने साथ जहर की शीशी लेकर आई थी और मांगें पूरी न होने पर जान देने की धमकी दी, जिससे कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मच गया। पीड़ित मानसिंह नायक (58) ने बताया कि गांव के ही कुछ लोगों के साथ उनका पुराना जमीन विवाद है। इस मामले में हाईकोर्ट ने मानसिंह के पक्ष में फैसला सुनाते हुए विपक्षियों की याचिका खारिज कर दी थी और कब्जा दिलाने का आदेश दिया था। इसके बावजूद गांव के दबंगों ने जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। मानसिंह का आरोप है कि 2 फरवरी की शाम जब उन्होंने कोर्ट के आदेश का हवाला दिया तो आरोपी जितेंद्र सिंह ने उनके साथ जमकर मारपीट की। इस हमले में मानसिंह के सीने में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस से थाने ले जाना पड़ा। कोतवाली पुलिस ने इस मामले में एफआईआर (क्रमांक 0068) तो दर्ज की है, लेकिन पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी अब उन्हें झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। जिसके चलते न्याय में देरी से हताश परिवार की महिला सदस्य ने मीडिया और अधिकारियों के सामने रोते हुए कहा कि अगर उन्हें सुरक्षा और अपनी जमीन वापस नहीं मिली तो उनके पास जान देने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

नागदा में आयोजित विधायक बाबूजी महा दंगल में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों का हुआ मुकाबला

पूर्व धार व मेवाड़ केसरी शब्बीर पहलवान किया नागरिक अभिनंदन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, सम्मान और खेल भावना सबसे ऊपर रखते हुए भारतीय अखाड़ा संस्कृति, अनुशासन और शौर्य की जीवंत मिसाल को जीवंत रखने के उद्देश्य को लेकर बदनावर विधायक भंवरसिंह शेखावत द्वारा आयोजित बाबूजी महादंगल कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन नागदा स्थिति महावीर नगर में किया गया। इसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश एवं राजस्थान के साथ ही मध्यप्रदेश के अलग अलग किलोग्राम भार वर्ग के नामी पहलवानों के साथ महिला पहलवानों के साथ 100 से अधिक पहलवानों ने भाग लिया और अपने दांव पेंच दिखाएं इसके साथ ही नागदा के सोनू दगड़ड़ू पहलवान बड़ी जीत दर्ज कर हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों की तालियों के साथ खूब वाह वाही लूटी व हजारों रुपये का इनाम प्राप्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में पं.रामचंद्र दास वैष्णव द्वारा हनुमानजी के चित्र पर माल्यार्पण कर विधिविधान से पूजार्चना की गई वहीं विधायक भंवरसिंह शेखावत, कमलसिंह पटेल, हरिनारायण सिंह पंवार बखतगढ़ के साथ ही समस्त विधायक प्रतिनिधि, कांग्रेस पदाधिकारी, एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों व गणमान्यजनों ने दीप प्रचलित कर कुश्ती प्रतियोगिता शुरू करवाई।

जहां उज्जैन के गजु बागड़ी पहलवान, दादू ठाकुर पहलवान, गफूर पहलवान, बड़नगर बड़नगर के विनोद भाटी, भरत भाटी पहलवान, देपालपुर अमजद पहलवान, गट्टू पहलवान, देवास शंभु पहलवान सहित अनेक स्थानों के उस्ताद खलीफाओं ने देश के विभिन्न राज्यों से आए राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों के बीच हुए कुश्ती मुकाबलों का निष्पक्ष निर्णय दिया।

इस मौके पर तेजाजी मंदिर समिति की ओर से विधायक शेखावत का नागरिक अभिनंदन किया गया, वही विधायक शेखावत द्वारा पत्रकारों की उपस्थिति में पूर्व धार जिला व मेवाड़ केसरी रहे उस्ताद शब्बीर पहलवान को साफा पहनाकर एवं शक्ति, सहनशीलता और हनुमान जी के प्रतीक के रूप में मानी जाने वाली पित्तल की गदा भेंट कर नागरिक अभिनन्दन के साथ सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही विजेता और उपविजेता पहलवानों को केसरिया रंग के दुपट्टे पहनाकर, नगद इनाम राशि के साथ प्रमाण पत्र, मेडल और शील्ड भी प्रदान की गई।

इसके अलावा खड़ी जोड़ में कुश्ती लड़ने वाले पहलवानों को भी केसरिया रंग के दुपट्टे पहनाकर नगद पुरस्कार पर्दान किये गए।

कार्यक्रम को मूर्तरू देने में मुख्यरूप से संदीप शेखावत, सोनू जाट, नितिन साँखला, पीयूष चिंटू राठौड़, नीलेश चौधरी, के.पी. पटेल, सलीम पहलवान, सोनू दगड़डू पहलवान, सुरेश चौहान व पूरी टीम का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम का संचालन सचिन पांडे, राजेन्द्र जाट, गजु बागड़ी पहलवान, भरत पहलवान ने किया व आयोजक समिति के नितिन साँखला ने सभी पहलवानों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ आभार व्यक्त किया।

सेन समाज के सदस्यों को दिए 10 लाख

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आलोट के विधायक डॉक्टर चिंतामणि मालवीय द्वारा एक क्लिक पर सेन समाज के परंपरागत व्यवसाय पर आजीविका चलाने वाले श्रमजीवी सदस्यों के बैंक खातों से 10 लाख रुपए की राशि ट्रांसफर की। डॉक्टर मालवीय ने सेन समाज के सदस्यों की कर्मठता की प्रशंसा करते हुए वीर शिवाजी महाराज के लिए किए गए शिवा काशिद के बलिदान को याद किया। बताया जाता है कि 200 श्रमजीवी सदस्यों के खाते में एक क्लिक पर पैसा पहुंचा गया। डॉक्टर मालवीय ने मंच से घोषणा की कि जो सदस्य राशि पाने से वंचित रह गए हैं उन्हें शीघ्र राशि दी जाएगी। उन्होंने सेन समाज के मंदिर में 500000 की राशि देने की घोषणा की। जनपद अध्यक्ष कालू सिंह परिहार ने भी सभा को संबोधित किया। इस अवसर में कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार सुजान सिंह परिहार , सेन समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतुल गौर जी, जिला अध्यक्ष राकेश जी,भाजपा के मण्डल अध्यक्ष द्वय गोपाल जी दांगी, शुभम राठौड़ जी, शैलेष जी आंचलिया, राघु सिंह जी, विक्रम सिंह जी, सहित समाजजन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पीट्ठु पुरुष प्रतियोगिता में संभाग स्तर पर चयन हुआ

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शासकीय महाविद्यालय के छात्र सत्यनारायण का पीट्ठु पुरुष प्रतियोगिता में जिला स्तर से संभाग स्तर पर चयन हुआ इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुनील उदिवाल व क्रीड़ा विभाग प्रभारी प्रोफेसर मनोहर सिंह निगवाल व डॉक्टर मनीष पवार द्वारा छात्र को बधाई दी गई एवं समस्त स्टाफ द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अपर कलेक्टर ने आष्टा एवं जावर तहसील कार्यालय में एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण

एसआईआर की प्रगति की समीक्षा कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह ने आष्टा एवं जावर तहसील कार्यालय में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यों का निरीक्षण किया और अभी तक की कार्य प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

एसआईआर कार्य प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नो-मैपिंग वोटर्स की सुनवाई, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी के निराकरण तथा दावे-आपत्तियों के निपटारे की स्थिति की विस्तार से जानकारी ली।

इस दौरान उन्होंने सभी सहायक एईआरओ, बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता का सत्यापन पूरी गंभीरता से किया जाए, किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न रहे और अपात्र प्रविष्टियों का नियमानुसार निराकरण किया जाए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री नितिन टाले, तहसीलदार श्री ओमप्रकाश चोरमा, नायब तहसीलदार श्री सिद्धांत सिंघला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दसवीं के बच्चों का विदाई समारोह कार्यक्रम संपन

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सलसलाई शासकीय हाई स्कूल गोदना के कक्षा दसवीं के बच्चों ने सभी से आशीर्वाद लिया वह विद्यालय को स्मृति चिन्ह भेंट किया दसवीं के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह का आयोजन रखा गया था जिसमें स्कूल के सभी छात्र-छात्राएं मौजूद रहे और स्कूल के सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं सहित प्राचार्य राधेश्याम दलोदिया, कैलाश चंद्र कटारा, मांगीलाल पितालजा, ज्ञानसिंह राजपूत उदय सिंह सिसोदिया लाल सिंह चावड़ा राहुल खांडे, कृष्णा गुप्ता , सीमा मोगरकार, विनोद नागर उपस्थित ग्रामीणों जन पालक गण मौजूद रहे स्कूली बच्चों को फूल माला पहनाकर विदाई दी गई विदाई कार्यक्रम वर्ष भर की गतिविधियों के आधार पर बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए कार्यक्रम का संचालन सीमा मेम व आभार प्रदर्शन लाल सिंह चावड़ा ने की माना।

कलेक्टर-एसपी ने ICARDA पहुंचकर 7 फरवरी को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. और एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला ने आष्टा स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च इन दा ड्राई एरियास पहुंचकर 07 फरवरी को प्रस्तावित किसान सम्मेलन एवं लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का शामिल होना प्रस्तावित है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं, यातायात, बैठक, सुरक्षा एवं अन्य तैयारियों का निरीक्षण कर कार्यक्रम के सफल आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एएसपी श्रीमती सुनीता रावत, एसडीएम श्री नितिन टाले सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले में ओलावृष्टि की सूचना मिलने पर कलेक्टर मौके पर पहुंची

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के भितरवार क्षेत्र में सोमवार की रात को ओलावृष्टि की सूचना मिलने पर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बड़की सराय एवं सिकरौदा गांव में पहुंचकर ओलावृष्टि से प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया एवं प्रभावित किसानों से चर्चा की। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने एसडीएम भितरवार एवं रिवेन्यू के समस्त स्टाफ को निर्देशित किया है कि ओला प्रभावित खेतों के सर्वेक्षण का कार्य तत्काल प्रारंभ करें । उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी प्रभावित किसान सर्वेक्षण में वंचित नहीं रहना चाहिए । साथ ही किसी भी गलत व्यक्ति का नाम सर्वेक्षण में नहीं जुड़ना चाहिए । ओलावृष्टि की सूचना पर क्षेत्र में नहीं पहुंचने पर बड़कीसराय के पटवारी संजय शर्मा को कार्य के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही बरतने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने प्रभावित किसानों से चर्चा कर उन्हें आश्वस्त किया कि सभी पीड़ित किसानों को शासन के प्रावधान के अनुरूप मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने भ्रमण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भितरवार श्री राजीव समाधिया को निर्देशित किया है कि ओला प्रभावित सभी ग्रामों में प्रारंभिक सर्वेक्षण का कार्य तत्परता से प्रारंभ किया जाए। सर्वेक्षण के दौरान प्रभावित हुए सभी किसानों की सूची नाम एवं रकबे के साथ तैयार की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि ओला प्रभावित कोई भी किसान प्रारंभिक सर्वेक्षण में छूटना नहीं चाहिए। ओलावृष्टि के 4 ङ्क 5 दिन बाद कृषि विभाग के दल के माध्यम से भी जिले में सर्वेक्षण का कार्य कराया जायेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रभावित किसानों से विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर ओला प्रभावितों का सर्वेक्षण कार्य तत्परता से किया जायेगा। सर्वेक्षण के उपरांत जो भी प्रभावित किसान हैं उन्हें शासन के प्रावधानों के अनुरूप राहत राशि भी उपलब्ध कराई जायेगी। इसके साथ ही जिन किसानों ने अपनी फसल का बीमा कराया है उन किसानों को भी बीमा कंपनी को 14447 पर सूचना देने के उपरांत कंपनी के माध्यम से बीमे की राशि भी उपलब्ध कराई जायेगी।

समग्र शिक्षक संघ जिला इकाई द्वारा किया गया सम्मान

अमझेरा/ आशीष पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमझेरा - नगर के शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय से बयालीस साल इक्कीस दिन अपने कार्यों से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक प्रवीण पंचोली का समग्र शिक्षक संघ जिला इकाई धार द्वारा शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया साथ ही उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई समग्र जिला संरक्षक रमेश चंद्र राठौड़ ने बताया की पंचोली सर ने अपनी मेहनत और लग्न से मुकाम हासिल किया है उनका बयालीस साल की शासकीय सेवा प्रेरणा स्त्रोत है अवसर पर जिलाध्यक्ष रामचंद्र जाट, जिला कोषाध्याय उषा माथुर , मनोहरलाल जैन, ओंकारलाल पाटीदार अन्य शिक्षक साथियों ने बदनावर से आकर स्वागत किया।

कलेक्टर रुचिका चौहान का अभिनव शिक्षा मित्र अभियान बना मिसाल

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा प्रारंभ किया गया ÷शिक्षा मित्र÷ नवाचार आज जन सहभागिता का प्रेरक उदाहरण बनकर उभरा है। इस अभिनव पहल के तहत स्कूली बच्चों को जन सहयोग से टेबल और कुर्सी उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे कक्षा कक्षों में पढ़ाई का माहौल बेहतर हो सके। इस नवाचार की शुरुआत स्वयं कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के 1 लाख रुपए के व्यक्तिगत सहयोग से हुई। इसके पश्चात विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार स्वेच्छा से सहयोग राशि प्रदान की। कलेक्टर की इस संवेदनशील पहल को जिले के नागरिकों, समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों का भी भरपूर समर्थन मिला। शिक्षा मित्र कार्यक्रम के तहत उन शासकीय स्कूलों को प्राथमिकता दी जा रही है, जहां बच्चों के बैठने के लिए कुर्सी-टेबल की कमी थी। उद्देश्य स्पष्ट है–हर बच्चे को सम्मानजनक और सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था मिले, ताकि वह पूरे मनोयोग से अध्ययन कर सके।

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक जिले में 1500 से अधिक कुर्सी-टेबल तैयार कर विभिन्न स्कूलों में भेजी जा चुकी हैं।

सीहोर पुलिस की त्वरित कार्यवाही; 3 वर्षीय लापता बालिका को सकुशल खोजा

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पोस्ट ऑफिस के पास से लापता हुई 3 वर्षीय बालिका आराध्या को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में सकुशल खोज निकाला।

कार्यवाही के मुख्य बिंदु- पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला एवं एएसपी श्रीमती सुनीता रावत के मार्गदर्शन में विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया गया।

नगर पुलिस अधीक्षक डॉ अभिनंदना शर्मा एवं थाना प्रभारी रविंद्र यादव गुम बालिका की तलाश में तत्काल घटनास्थल पर रवाना हुए एवं आने जाने के रास्तों पर नाकाबंदी की गई। बालिका की सर्चिंग के लिए अलग-अलग टीम लगाकर रवाना की गई, सीसीटीवी फुटेज देखने हेतु टीम लगाई गई एवं साइबर टीम को एक्टिव किया गया। परिजनों ने पुलिस की कार्यकुशलता और संवेदनशीलता हेतु आभार व्यक्त किया है।

कृषि वर्ष 2026 की कार्ययोजना अनुसार विभाग योजनाओं में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें- संभागायुक्त

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने आज संभागीय अधिकारियों के साथ समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कृषि वर्ष 2026 समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश के लिए कृषि व कृषि संबद्ध विभागों में संचालित योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कृषि वर्ष 2026 की कार्ययोजना अनुसार योजनाओं/गतिविधियों हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें। इस दौरान उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य विभागों की फील्ड स्तर पर क्रियान्वति योजनाओं/गतिविधियों की जानकारी भी ली। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान मिल्क रूट का सुदृढ़ीकरण, आचार्य विद्यासागर योजना और डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना, क्षीरधारा तथा हिण्यगर्भा योजनाओं पर चर्चा कर लक्ष्यों की पूर्ति हेतु आवश्यक निर्देश दिए ।

उन्होंने मंडियों के आधुनिकीकरण, प्राकृतिक खेती, पर ड्रॉप मोर क्रॉप, कृषि निर्यात प्रोत्साहन व सुविधा योजना, फसलों के उत्पादन व उत्पादकता में वृद्धि, मजबूत विपणन तंत्र स्थापित कर खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना का लाभ मत्स्य पालकों को उपलब्ध कराने और आधुनिक तकनीक अपनाने के संबंध में चर्चा कर विभागीय अधिकारियों को ज़िले वार योजना बनाकर कार्य हेतु आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य व पोषण के लिए की जा रही गतिविधियों के साथ विशेष रूप से एएनसी पंजीयन और अनुश्रवण की समीक्षा की। लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए जिलेवार शिविर लगाने के निर्देश भी दिए गए।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने ओला प्रभावित फसलों का प्रारंभिक सर्वे कराने की बात कही

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले के भितरवार क्षेत्र के 10 से 11 गाँवों में सोमवार की रात को ओलावृष्टि होने से किसानों की फसल को क्षति हुई है। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने ओला प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही है। प्रभारी मंत्री ने ओलावृष्टि की सूचना मिलते ही संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत से दूरभाष पर चर्चा कर ओला प्रभावितों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने की बात कही। प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर कहा है कि प्राकृतिक आपदा के कारण ओला प्रभावित सभी किसानों का प्रारंभिक सर्वेक्षण का कार्य तत्परता से कराया जाए। सभी प्रभावितों को शासन के प्रावधानों क अनुरूप सहायता राशि उपलब्ध कराई जायेगी।

आधारकार्ड बना बिछडों को मिलाने का सहारा, परिजन लेने आए स्वर्ग सदन, कलेक्टर से मुलाकात कर परिजनों ने दिया धन्यवाद

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में असहाय घूमने वाले मानसिक रूप से दिव्यांगजनों की स्वर्ग सदन में देखभाल की जाती है। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान की पहल पर इन दिव्यांगजनों का आधार कार्ड बनाना कार्य प्रारंभ किया गया है। स्वर्ग सदन में पिछले पांच सालों से निवास कर रहे एक दिव्यांगजन के आधारकार्ड बनवाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई तो कम्प्यूटर में उसकी डिटेल निकलकर सामने आ गई, उसमें दिव्यांग का नाम पप्पू रैकवार बताया गया एवं निवास स्थान दबोह बताया गया। इसके बाद पप्पू रैकवार के परिजनों से स्वर्ग सदन के लोगों ने चर्चा कर जीवित होने की जानकारी दी, तो परिवार भौचक्का रह गया। क्योंकि परिजनों ने पप्पू रैकवार को मृत मानकर उसकी त्रयोदषी कर दी थी।

पप्पू रैकवार का परिवार उसे लेने के लिए आया और कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान से परिजनों ने मुलाकात कर उन्हें धन्यवाद दिया। स्वर्ग सदन में लगभग एक सैंकडा मानसिक रूप से दिव्यांगजन निवास करते हैं। इन दिव्यांगजनों का यहीं पर उपचार किया जाता है। इनमें से अधिकांश दिव्यांगजनों को ना तो अपना नाम पता है और ना ही घर का पता मालूम है। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान की पहल पर इन सभी का आधारकार्ड बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। आधारकार्ड के लिए जब इन लोगों की आंखों की फोटो एवं उंगलियों के निशान लिए गए तो इनका पुराना रिकॉर्ड निकलकर सामने आ रहा है। जिससे इनका नाम पता और परिजनों का मोबाइल नंबर तक का पता चल रहा है। स्वर्ग सदन में पिछले पांच साल से उपचार कर रहे पप्पू रैकवार का जब आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तो पप्पू का नाम और उसके घर का पता चला। पप्पू का घर दबोह में है। परिजनों से बात कर पप्पू के जीवित होने की सूचना दी तो परिजन आज पप्पू को लेने के लिए स्वर्ग सदन आए। परिजनों ने बताया कि जून 2021 में पप्पू को उपचार के लिए मानसिक आरोग्यशाला में भर्ती कराया था, अचानक पप्पू वहां से गायब हो गया। पप्पू की काफी खोजबीन की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। परिजनों ने उसे मृत मानकर उसकी त्रयोदषी कर दी। पप्पू को लेने आए परिजनों ने कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान से मुलाकात की।

कलेक्टर द्वारा पाँच आवेदकों को 5-5 हजार रुपये एवं दो आवेदकों को 2-2 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय पर जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों एवं तहसीलों से आए नागरिकों द्वारा अपनी-अपनी समस्याएं, शिकायतें एवं मांगें कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत की गई। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए।

विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्राप्त - जनसुनवाई के दौरान वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं वन विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने, स्वीकृत कपिलधारा योजना की शेष राशि का भुगतान नहीं होने, ग्राम पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक की कार्यप्रणाली से संबंधित शिकायत, आर्थिक लेन-देन से जुड़ा विवाद, दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्माण, भूमि पर स्थापित टॉवर के किराये से संबंधित विवाद तथा सामलाती भूमि पर अनधिकृत निर्माण जैसे विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए।

आवेदक श्री मार्कुश पिता हापु गणावा निवासी ग्राम देदला द्वारा वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं वन विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक श्री जलिया पिता खुना सिंगाड़ निवासी ग्राम आंबा माछलिया तहसील रामा द्वारा स्वीकृत कपिलधारा योजना की शेष राशि नहीं मिलने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक श्री मांगु पिता जोगड़िया भाभर निवासी ग्राम पंचायत बड़ी देहण्डी तहसील पेटलावद द्वारा ग्राम पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक की अनियमित उपस्थिति, कार्य में लापरवाही एवं ग्रामवासियों से अनुचित व्यवहार के संबंध में आवेदन प्रस्तुत कर संबंधित कर्मचारी को पद से हटाने एवं अन्य की नियुक्ति की मांग की गई।

आवेदिका श्रीमती तोला पति स्व. धुमा गामोड़ निवासी ग्राम काकडकुआं तहसील रामा द्वारा चांदी की रकम मूलधन एवं ब्याज लेने के पश्चात भी वापस नहीं किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक श्री वालिया चौहान निवासी खड़कुई जिला झाबुआ द्वारा अपने पुत्र के मानसिक दिव्यांग होने एवं उसका दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक श्री विजय पिता ज्योतिया मचार एवं श्री राजेन्द्र पिता ज्योतिया मचार निवासी माधोपुरा तहसील झाबुआ द्वारा खाते की भूमि पर लगे टॉवर का किराया प्रतिप्रार्थी द्वारा रख लेने एवं बिना सहमति के आगामी अवधि के लिए अनुबंध किए जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदिका श्रीमती शारदाबाई पति स्व. कैलाश एवं श्रीमती रामकन्या बाई पति स्व. बद्रीलाल परमार निवासी पेटलावद तहसील पेटलावद द्वारा सामलाती भूमि पर बिना अनुमति अनधिकृत मकान निर्माण, रास्ता अवरुद्ध करने एवं विवाद की स्थिति उत्पन्न करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

कलेक्टर द्वारा सभी प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को तथ्यों की जांच कर नियत समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत- जनसुनवाई के दौरान आर्थिक सहायता हेतु प्रस्तुत आवेदनों पर कलेक्टर द्वारा सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए आवेदक श्री मदन जलिया वाखला निवासी उबेराव तहसील राणापुर, आवेदक श्री पांगा गामा सिंगाड़ निवासी बाल्दीमाल तहसील राणापुर, आवेदक सकरा रतना बामनिया निवासी गुन्दीपाडा तहसील झाबुआ, आवेदक श्री रमेश पिडु बिलवाल निवासी गुलाबड़ी तहसील झाबुआ तथा आवेदक श्री मनीष मेहते निवासी फकरी कॉलोनी थान्दला को ? 5,000-5,000 की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई।

इसी प्रकार आवेदक मनिता सूर्या निवासी अंतरवेलिया तहसील झाबुआ एवं कु. सावित्री लालु मेडा निवासी रायपुरिया तहसील पेटलावद को ? 2,000-2,000 की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई। जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी सहित जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

पाटी में हाई रिस्क गर्भवती का हुआ सुरक्षित प्रसव

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सही समय पर दी गई समझाईश किस तरह जीवन रक्षक साबित हो सकती है, इसकी एक बानगी ग्राम पंचायत पाटी में देखने को मिली। ममता ब्रिगेड की ममता सखी श्रीमती सुरलीबाई सोलंकी और आशा कार्यकर्ता राजकला सोलंकी के निरंतर प्रयासों से एक हाई रिस्क गर्भवती महिला का सुरक्षित संस्थागत प्रसव संपन्न हुआ। लगातार गृह भ्रमण और काउंसलिंग का मिला फल पाटी क्षेत्र की 21 वर्षीय गर्भवती महिला श्रीमती चेतना पति इकराम को स्वास्थ्य जांच के दौरान श्हाई रिस्कश् श्रेणी में रखा गया था। जोखिम को देखते हुए ममता सखी और आशा कार्यकर्ता द्वारा लगातार महिला के घर जाकर गृह भ्रमण किया गया। उन्होंने महिला और उसके परिजनों को घर पर प्रसव कराने के खतरों के प्रति सचेत किया और संस्थागत प्रसव के महत्व को समझाया। समय पर अस्पताल पहुँचाने से मिली सफलता दिनांक 22 जनवरी 2026 को सुबह लगभग 6 बजे महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की तत्परता से सुबह 7.32 बजे महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटी पहुँचाया गया। अस्पताल में उचित चिकित्सकीय देखरेख के बीच शाम 7.20 बजे महिला ने एक स्वस्थ बालक को जन्म दिया। शिशु की विशेष देखभाल जन्म के समय बालक का वजन 1.900 किलोग्राम था। कम वजन होने के कारण शिशु को बेहतर देखभाल के लिए एनबीएसयू पाटी में 4 दिनों तक भर्ती रखा गया। चिकित्सकों और स्टाफ की निगरानी में उपचार के बाद बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी आशा कार्यकर्ता द्वारा नियमित रूप से गृह भ्रमण कर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। वर्तमान में माँ और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सुरलीबाई और राजकला सोलंकी के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी परिवार को अस्पताल आने के लिए प्रेरित किया।

मेरा युवा भारत द्वारा बजट क्वेस्ट का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत मेरा युवा भारत के तत्वाधान में मेरा युवा भारत, झाबुआ द्वारा युवाओं में केंद्रीय बजट 2026 के प्रति जागरूकता एवं समझ विकसित करने के उद्देश्य से MY Bharat Budget Quest 2026 का आयोजन किया जा रहा है।

क्विज प्रतियोगिता रजिस्ट्रेशन अभियान में- यह कार्यक्रम बहु-चरणीय एवं सहभागितापूर्ण प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के प्रथम चरण के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन 03 फरवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। क्विज़ में भाग लेने के इच्छुक युवा http://mybharat.gov.in पोर्टल पर जाकर अपना ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

क्विज़ चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों का चयन राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर निबंध लेखन चरण के लिए किया जाएगा, जहाँ वे केंद्रीय बजट 2026 के प्रमुख विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर पर चयनित युवाओं को नीति-निर्माताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ केंद्रीय बजट 2026 पर वर्चुअल संवाद का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे युवाओं की नीतिगत समझ, जागरूकता एवं सहभागिता को और अधिक मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर जिला युवा अधिकारी, श्रीमती प्रीति ने कहा कि "MY Bharat Budget Quest 2026 युवाओं को केंद्रीय बजट से जोड़ने की एक सार्थक पहल है। यह कार्यक्रम युवाओं को नीति-निर्माण प्रक्रिया को समझने और उसमें सक्रिय भागीदारी का अवसर प्रदान करेगा। Mera Yuva Bharat, झाबुआ द्वारा जिले के सभी युवाओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस पहल से जुड़ें तथा 03 फरवरी से 17 फरवरी 2026 के बीच http://mybharat.gov.in पर पंजीकरण कर क्विज़ में सहभागिता सुनिश्चित करें।

आंगनवाड़ी में कुपोषित बच्चो को नियमित दिया जाये पोषण आहार - कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। आंगनवाड़ी केन्द्र में आने वाले अति गंभीर कुपोषित एवं कुपोषित बच्चो को नियमित रूप से पोषण आहार बनाकर खिलाया जाये । साथ ही कुपोषित बच्चो की मालिश भी करवाई जाये। जिससे कि बच्चे का वजन बढ़े वह कुपोषण के चक्र से बाहर आ सके । कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने उक्त निर्देश मंगलवार को ग्राम ओसाड़ा के उप स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित ग्राम पोषण एवं स्वास्थ्य दिवस के निरीक्षण के दौरान कही । इस दौरान कलेक्टर ने केन्द्र की सीएचओ से हाई रिस्क गर्भवतियो के संबंध में जानकारी लेते हुये निर्देशित किया कि इन महिलाओं का विशेष ध्यान रखा जाये । उनकी स्वास्थ्य की स्थिति की टेऊकिंग नियमित की जाये । निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आंगनवाड़ी में बच्चो की उपस्थिति, नियमित

दिये जाने वाले आहर के बारे में भी जानकारी प्राप्त की । किसानों को मिलेगा मूंगफली बीज ग्राम पोसपुर में किसानो से मूंगफली की खेती के बारे में जानकारी लेते हुये कलेक्टर ने किसानो से कहा कि उन्हें अब कृषि विभाग के माध्यम से मुफ्त में मूंगफली का बीज दिया जायेगा । पोसपुर क्षेत्र के सभी किसान एक जैसी क्वालिटी की मूंगफली लगाये । सभी संगठित होकर कार्य करें, क्योंकि अगर सभी किसान एक जैसी क्वालिटी का बीज लगाकर उत्पादन करेंगे तो कोई खरीददार स्वयं उनके खेत में आकर सभी किसानो की फसल खरीद लेंगे । मुर्गी पालन के कार्य को देखकर सराहा ग्राम पोसपुर के भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने ग्राम में ही समूह की दीदी के द्वारा किये जा रहे मुर्गीपालन के कार्य को देखा । इस दौरान दीदी ने बताया कि वे ग्राम के संगति स्व सहायता समूह से जुड़ी है, उन्होंने समूह से ऋण लेकर कुछ मुर्गियो के साथ मुर्गी पालन का कार्य इसे शुरू किया था, आज 200 से अधिक बच्चो का पालन कर रही है। साथ ही वे आदिवासी समुदाय की पारम्परिक रूप से बनने वाले टोपली, बाजूबंद व चौमल भी बनाने का कार्य भी करती है, जो कि शादी एवं भगोरिया त्योहार पर खरीदा जाता है।

नशे के लिए ड्रग सप्लाई करने वाले आरोपी को 10 वर्ष की कैद तथा जुर्माना

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस)बड़वानी श्री रईस खान ने पारित अपने फैसले में अवैध रूप से नशे का सेवन करने वालो को अल्प्राजोलम टेबलेट सप्लाई करने वाले आरोपी विक्की पिता दीपक परमार, निवासी चारण मोहल्ला सेंधवा को 10 वर्ष की कठोर कारावास और 1 लाख रुपए अर्थदंड से दंडित किया है। पुलिस थाना नारकोटिक्स सेल इंदौर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि अभियुक्त अल्प्राजोलम टेबलेट, अवैध रूप से ड्रग सेवन करने वालो को बायपास तिराहा सेंधवा में किसी पार्टी को सप्लाई करने वाला है। मुखबिर की सूचना पर विश्वास कर उप निरीक्षक पंचान और स्टाप के साथ घटना स्थल पर रात्रि 3.55 बजे पहुंचकर अभियुक्त की प्रतीक्षा की, तत्पश्चात मुखबिर के बताए हुलिया का एक व्यक्ति मिला जिसकी घेराबंदी कर पकड़ा। नाम पता पुछने पर अपना नाम विक्की बताया। उसके कंधे पर टंगी एक प्लास्टिक की थैली की तलाशी लेने पर उसमें अल्प्राजोलम टेबलेट की 240 स्ट्रीप जिसमें प्रत्येक स्ट्रीप में 15-15 टेबलेट अर्थात कुल 3600 अल्प्राजोलम टेबलेट पायी गई। जिसके सम्बन्ध में कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। मौका कार्यवाही पश्चात नारकोटिक्स सेल इंदौर द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध धारा 8/22 स्वापक औषधि एवं मन प्रभावी प्रदार्थ अधिनियम 1995 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर गिरफ्तार पश्चात विवेचना कर विशेष न्यायाधीश बड़वानी के समक्ष चालान पेश किया। न्यायाधीश ने अभियोजन का प्रकरण सिद्ध मानते हुए आरोपी विक्की को 10 वर्ष कठोर कारावास तथा 1 लाख रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अपने फैसले में न्यायालय द्वारा मादक पदार्थ की बढ़ती बिक्री और उसका समाज में प्रतिकुल प्रभाव को गंभीर मानते हुए इस प्रकार के नशे के कारोबार से देश के नवयुवकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाला मानते हुए अभियुक्त को कठोरतम सजा की कार्यवाही किए जाने का अभिवचन किया है। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी अतिरिक्त लोक अभियोजक शिवपाल सिंह सिसोदिया ने की।

महामहिम राज्यपाल के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर कलेक्टर ने नागलवाड़ी में तैयारियों का जायजा लिया

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। महामहिम राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल के राजपुर क्षेत्र के नागलवाड़ी में प्रस्तावित कार्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने मंगलवार नागलवाड़ी स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने हेलीपैड स्थल, कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, बैरीकेटिग, पार्किंग व्यवस्था और आवागमन के रास्तों का अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें।निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण की जाएं। सुरक्षा और प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन सुनिश्चित हो। बाबा भिलट देव के दर्शन और सुख-समृद्धि की कामना कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने नागलवाड़ी स्थित सुप्रसिद्ध बाबा भिलट देव मंदिर में दर्शन किए।

ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप के अंतर्गत वन परिक्षेत्र थांदला में कार्यवाही

खैर की गीली लकड़ी से भरा बोलेरो पिकअप जब्त, वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप के अंतर्गत वन परिक्षेत्र थांदला में वन विभाग द्वारा अवैध वनोपज परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही की गई।

02 फरवरी 2026 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर रात्रि लगभग 03:00 बजे मोईवाघेली से पाटड़ी मार्ग पर एक संदिग्ध वाहन को आते हुए देखा गया। वन अमले द्वारा वाहन का पीछा किया गया, जिस पर चालक वाहन को अंधेरे में खड़ा कर मौके से फरार हो गया। मौके पर पहुंचकर जांच करने पर वाहन क्रमांक MP-11-G-3389, महिंद्रा बोलेरो पिकअप में खैर प्रजाति की गीली लकड़ी भरी हुई पाई गई।

उक्त कार्यवाही परिक्षेत्र अधिकारी थांदला श्री तोलाराम हटीला द्वारा अनुविभागीय वनाधिकारी श्री दिनेश गौर के निर्देशन एवं वनमंडलाधिकारी झाबुआ श्री भारत सोलंकी के मार्गदर्शन में की गई। वाहन को जब्त कर जांच हेतु परिक्षेत्र कार्यालय थांदला लाया गया।

जांच के दौरान वाहन में कुल 137 नग, 1.305 घन मीटर खैर की गीली लकड़ी पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 70,000 है, जबकि वाहन की अनुमानित कीमत लगभग 9,00,000 आंकी गई है। वाहन मालिक का नाम मान सिंह पिता सेवाराम बताया गया है।

उक्त प्रकरण में भारतीय वन अधिनियम, 1927 एवं मध्यप्रदेश अभिवहन (वनोपज) नियम, 2022 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 2013/20 दिनांक 02 फरवरी 2026 पंजीबद्ध किया गया है। वाहन एवं लकड़ी को राजसात करने की कार्यवाही के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई है। प्रकरण में आगे की जांच कार्यवाही जारी है।

इस संपूर्ण जप्ती एवं कार्यवाही में परिक्षेत्र सहायक अमरगढ़ श्री तारसिंह भाभर, बीट गार्ड कसू डामोर, श्री धूमसिंह बबेलिया, श्री अशोक कुमार कुशराम तथा ग्राम वन समिति सदस्य श्री दिनेश कालिया का विशेष योगदान रहा।

कृषि रथ के माध्यम से किसान भाइयों को फसलों में संतुलित उर्वरक उपयोग एवं नवीन आधुनिक तकनीक की जानकारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में कृषक कल्याण वर्ष 2026 उपलक्ष्य में जिले के छः विकासखण्ड में 11 जनवरी 2026 से निरंतर निर्धारित रूट चार्ट अनुसार छः कृषि रथ के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों के साथ कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक दिवस तीन ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया जा रहा है।

आज दिनांक तक कृषि रथ के माध्यम से कृषि विशेषज्ञों के साथ ही विकासखण्ड स्तरीय कृषि एवं सम्बद्ध विभागों के अधिकारियों द्वारा 296 ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर लगभग 20250 किसानों से सम्पर्क स्थापित किया जाकर सीधा संवाद किया जाकर किसानों को उनकी जिज्ञाशाओं एवं समस्याओं का

निराकरण करने के साथ ही कृषि एवं संबंद्ध विषयों पर नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीक की जानकारी के साथ जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई के पर्याप्त साधन है उन्हें जायद के मौसम में तिलहनी फसलों की बुवाई करने की जानकारी से अवगत कराया जा रहा है, साथ ही किसानों को कृषि रथ के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ कार्ड का वितरण किया जा रहा है तथा उन्हें मृदा स्वास्थ कार्ड में अंकित अनुशंषा अनुसार संतुलित उर्वरक का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है।

उप संचालक कृषि श्री नगीनसिंह रावत द्वारा प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, फसल बीमा तथा शासन द्वारा उर्वरक वितरण की नवीन वितरण प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन के माध्यम से पारदर्शी तरीके से उर्वरक वितरण व्यवस्था की जानकारी से किसान भाइयों को अवगत कराया जा रहा है की अब उनके रकबे के आधार पर उर्वरक उपलब्धता की जाएगी, किसानों को उर्वरक लेने के लिए अब लम्बी लाइनों में नहीं लगना पड़ेगा साथ ही उनके पंजीकृत मोबाईल फोन पर खाद के उपलब्धता की जानकारी प्राप्त हो जायेगी।

कृषि विशेषज्ञों द्वारा किसानों जायद मौसम की फसलों की जानकारी के साथ ही सूक्ष्म सिंचाई यंत्रो जैसे ड्रीप, स्प्रिंकलर आदि के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है तथा उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है, कृषि रथ के माध्यम से किसानों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के साथ ही उद्यामनिकी फसलों तथा पशु पालन विभाग अंतर्गत दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की जानकारी दी जा रही है ताकि किसानों की आय में वृद्धि की जा सके।

आंगनवाड़ी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, पोषण वाटिका एवं शौचालय निर्माण को लेकर कार्यशाला आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन में आज 03 फरवरी 2026 को जिला पंचायत सभा कक्ष झाबुआ में आंगनवाड़ी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, पोषण वाटिका, शौचालय निर्माण एवं अन्य भवन निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत झाबुआ श्री अक्षयसिंह मरकाम एवं कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा झाबुआ श्री सी.एस. अलावा द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यशाला के दौरान रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली, पोषण वाटिका विकास, शौचालय निर्माण तथा भवन निर्माण से संबंधित कार्यों के गुणवत्ता पूर्वक एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन हेतु विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही निर्माण कार्यों में सतत निगरानी एवं गुणवत्ता नियंत्रण के महत्व पर भी विशेष रूप से प्रकाश डाला गया। इस प्रशिक्षण से ग्राम पंचायतों में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा आंगनवाड़ी भवनों के माध्यम से जल संरक्षण, पोषण संवर्धन एवं स्वच्छता को प्रभावी रूप से बढ़ावा मिलेगा।

इस अवसर पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा एवं मनरेगा अंतर्गत जिले की समस्त जनपद पंचायतों के सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कृषि कल्याण वर्ष 2026 के संबंध में कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना द्वारा कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं एवं आगामी कार्ययोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले में गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि समस्त पंजीयन केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि पंजीयन के दौरान कृषक बंधुओं को उपार्जन से संबंधित समस्त जानकारी स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो।

कलेक्टर ने एनआईसी के माध्यम से

किसानों को गेहूं उपार्जन, पंजीयन तिथि एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों से संबंधित मैसेज ब्रॉडकास्ट करने के निर्देश भी दिए।

किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) निर्माण की समीक्षा- बैठक में किसान क्रेडिट कार्ड निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि जिले में अभी 2390 किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाना शेष हैं। इस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत शेष केसीसी का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। साथ ही उन्होंने केसीसी से संबंधित ऋण वसूली हेतु शिविरों के आयोजन एवं उनकी प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उर्वरक उपलब्धता एवं कृषि मेले के आयोजन के निर्देश- कलेक्टर ने रबी फसलों एवं आगामी मौसम को दृष्टिगत रखते हुए उर्वरकों की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्तर पर कमी की स्थिति उत्पन्न न हो।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने कृषि मेलों के आयोजन के निर्देश देते हुए कहा कि इन मेलों के माध्यम से किसानों को नेचुरल फार्मिंग एवं जैविक कृषि के संबंध में ओरिएंटेशन प्रदान किया जाए, जिससे किसान प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित हों।

एग्री स्टैक एवं गिरदावरी संबंधी निर्देश- बैठक में कलेक्टर ने एग्री स्टैक के अंतर्गत जिले के समस्त कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही गिरदावरी के दौरान उद्यानिकी फसलों की व्यवस्थित एवं सटीक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

वाहन मेले से निगम की कमाई घटी, टैक्स छूट से खरीदारों को फायदा

जगह बदलने के बाद स्टॉल बिके तो सही, लेकिन आय पिछली बार के मुकाबले आधी भी नहीं; शिवरात्रि से गुड़ी पड़वा तक चलेगा मेला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर की तर्ज पर उज्जैन में पिछले तीन वर्षों से वाहन मेला लगाया जा रहा है, लेकिन इस बार नगर निगम की कमाई पर ब्रेक लगता नजर आ रहा है। स्टॉलों के आवंटन की रफ्तार ठीक है, फिर भी आय पिछले साल के मुकाबले आधी से भी कम रह गई है।

नगर निगम द्वारा शिवरात्रि से लेकर गुड़ी पड़वा तक वाहन मेला आयोजित किया जा रहा है। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। निगम को उम्मीद थी कि इस बार भी करोड़ों की आय होगी, लेकिन स्थान बड़ा होने और बिक्री का असर कम दिख रहा है। शुरुआत में जब वाहन मेला दशहरा मैदान में लगाया गया था, तब निगम को 10 करोड़ रुपए से अधिक की आय हुई थी। इसके बाद जैसे ही मेला इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में शिफ्ट किया गया, आय में तेज गिरावट आ गई। पिछले साल निगम को 4 करोड़ 97 लाख रुपए की आय हुई थी। इस बार कुल 163 वाहन शोरूम लगाए जा रहे हैं, जिनमें 123 फोर व्हीलर और 40 टू व्हीलर के शोरूम शामिल हैं। पहले चरण में 72 फोर व्हीलर और 15 टू व्हीलर शोरूम आवंटित हो चुके हैं, जिससे निगम को अब तक सिर्फ 1 करोड़ 91 लाख रुपए की ही आय हुई है। दूसरे चरण में 51 फोर व्हीलर और 25 टू व्हीलर शोरूम के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। हालांकि आधे से ज्यादा स्टॉल आवंटित हो चुके हैं, लेकिन कमाई अब तक उम्मीद से काफी कम है।

निगम को घाटा, जनता को राहत - वाहन मेले से भले ही नगर निगम की आय घट रही हो, लेकिन आम लोगों के लिए यह मेला फायदे का सौदा साबित होगा। मेले में वाहन खरीदने पर आरटीओ टैक्स में लगभग 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। इसी वजह से बड़ी संख्या में वाहनों की बिक्री होने की उम्मीद है। पिछले साल भी टैक्स छूट के चलते बड़ी संख्या में वाहन बिके थे और उपभोक्ताओं को करोड़ों रुपए की राहत मिली थी।

एक नजर में वाहन मेला

मेला अवधि- शिवरात्रि से गुड़ी पड़वा तक
कुल शोरूम- 163
फोर व्हीलर- 123
टू व्हीलर- 40

पहले चरण में आवंटन

फोर व्हीलर- 72
टू व्हीलर- 15
अब तक निगम की आय- 1.91 करोड़
पिछले साल की कुल आय- 4.97 करोड़
खरीदारों को फायदा- आरटीओ टैक्स में लगभग 50% तक छूट

बढ़ते संवेदनशील कदम दिव्यांगता को समझने की ओर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन द्वारा 30 जनवरी 2026 को शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दशहरा मैदान, उज्जैन में दिव्यांगता जागरूकता, समावेशन एवं विशेष शिक्षा को करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रार्थना गीत (सांकेतिक भाषा) से हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (पीजी) महाविद्यालय, उज्जैन (दशहरा मैदान) के वर्तमान प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक रहे। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि भार्गव (प्रशासनिक अधिकारी), डॉ. निखत परवीन (विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान) एवं डॉ. नीता तपन (आईक्यूएसी समन्वयक) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का परिचय हेमांगी पाराशर (सहायक प्राध्यापक, मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय) द्वारा दिया गया तथा संचालन श्रेया रावल ने किया। मुख्य वक्ता डॉ. प्रेम छाबड़ा (शैक्षणिक निर्देशिका) ने दिव्यांगता के प्रकार, उससे जुड़े मिथकों व तथ्यों पर प्रकाश डाला। श्रीमती प्रीति सोनी (सहायक प्राध्यापक) ने छात्राओं को बेसिक साइन लैंग्वेज की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं हेतु ब्लाइंड फोल्ड एवं पेन-पेपर जैसी संवेदनशीलता गतिविधियाँ कराई गईं। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं सहायक प्राध्यापकों का सहयोग एवं सक्रिय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक हेमांगी पाराशर ने सभी अतिथियों, प्राचार्य, अधिकारियों एवं सहयोगी स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया।

मैजिक चालक को रोक बदमाशों में मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सवारी छोड़कर लौट रहे मैजिक चालक को चार लोगों ने रोका और पैसे मांगे, नहीं देने पर चाकू मार कर घायल कर दिया। हमला करने ने शामिल एक का नाम सामने आया है। जिसकी गिरफ्तारी के बाद अन्य के नाम सामने आ पाएंगे। नागझिरी स्थित नेहरू नगर में रहने वाला प्रकाश पिता कन्हैयालाल देवड़ा किराए की मैजिक चलाता है। रात में सवारी लेकर देवास रोड स्थित नाकोड़ा हिल्स गया था जहां सवारी को छोड़ने के बाद वापस लौट रहा था इस दौरान अभिलाषा कॉलोनी के समीप तीन से चार मैजिक का संचालन करने वाला आकाश बड़े अपने साथियों के साथ मिला। उसने प्रकाश देवड़ा को रोका और मैजिक चलाने के एवज में रुपयों की मांग करने लगा। जिसको लेकर उनके बीच कहासुनी हुई। आकाश ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रकाश पर चाकू से हमला कर दिया। पेट, पैर और सीने पर चाकू लगने से प्रकाश घायल हो गया। हमला करने वाले जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया वहीं बयान दर्ज कर मामले में प्रकरण दर्ज किया है।

मक्सी रोड पर बाइक एंबुलेंस की भिड़त, एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी रोड पर ताजपुर और ब्यावरा के बीच रात में एंबुलेंस और बाइक के बीच हुई भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। जीजा और उसका दोस्त घायल हुआ है। दोनों का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। इंदौर के बिसन खेड़ी में रहने वाला समीर पिता आरिफ शाह 17 वर्ष सोमवार को शाजापुर अपने दादा के इंतकाल कार्यक्रम में शामिल होने गया था। जहां से रात को वापस लौटते समय ब्यावरा में रहने वाले जीजा आमीन और उनके दोस्त रेहान की बाइक पर उज्जैन आने के लिए बैठ गया। तीनों शाजापुर से आ रहे थे इस दौरान ब्यावरा और ताजपुर के बीच उनके भिड़ंत उज्जैन की ओर से जा रही एंबुलेंस से हो गई। आमने-सामने भिड़े दोनों वाहनों की रफ्तार काफी तेज थी, जिसके चलते मौके पर ही समीर शाह की मौत हो गई। जीजा और उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हुए। तीनों को निजी अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने समीर को मृत घोषित किया। दुर्घटना की की जानकारी लगने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। एम्बुलेंस और क्षतिग्रस्त बाइक को थाने लाया गया। निजी अस्पताल से शव पोस्टमार्टम के लिए शासकीय चरक अस्पताल पहुंचाया गया। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि समीर सरिया सेटिंग का काम करता था। निजी अस्पताल में भर्ती जीजा और उसका दोस्त अटाले का कारोबार करते हैं। पुलिस के अनुसार मामले में दुर्घटना का प्रकरण दर्ज किया गया है जांच के बाद दुर्घटना की सही पुष्टि हो पाएगी। परिजन समीर की बॉडी बिसन खेड़ी इंदौर लेकर गए हैं।

जिलाबदर बदमाश पकड़ा, रासूका में भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल थाना क्षेत्र के बेगमबाग में रहने वाला शाहरूख उर्फ चकमक पिता रशीद अपराधिक प्रवृति का बदमाश है। कुछ माह पहले उसकी अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लागने के लिये महाकाल थाना पुलिस ने जिलाबदर की कार्रवाई का प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय भेजा था। जहां से बदमाश को जिले की सीमा से बाहर भेजने के आदेश जारी किये गये थे। बदमाश को पुलिस ने जिले की सीमा से बाहर कर दिया था, लेकिन कुछ दिन बाद ही वह वापस शहर में आया और चिमनगंज थाना क्षेत्र स्थित विराटनगर स्थित घर में छुपकर रहने लगा। रविवार रात चिमनगंज थाना पुलिस को जिलाबदर बदमाश के विराटनगर में दिखाई देने की खबर मिली तो पुलिस ने दबिश दी। उसे घर से हिरासत में लिया गया। प्रधान आरक्षक सतीश यादव ने बताया कि जिलाबदर अवधि के दौरान शहरी सीमा में पाये जाने पर बदमाश के लिये म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14, 15 का प्रकरण दर्ज किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ भेजा गया है।

सिंहस्थ की तैयारी अब डिजिटल निगरानी में, जीआईएस एक्सपर्ट संभालेंगे जिम्मा

सीमा विवाद से लेकर विकास योजनाओं तक एक ही नक्शे पर होगा पूरा शहर, उज्जैन में तीन जीआईएस विशेषज्ञों की तैनाती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की तैयारियां अब पूरी तरह हाईटेक होने जा रही हैं। उज्जैन में सिंहस्थ से जुड़े सभी विकास कार्य जीआईएस (जियोग्राफिकल इंफार्मेशन सिस्टम) एक्सपर्ट की निगरानी में किए जाएंगे। इसके लिए जिले में तीन जीआईएस एक्सपर्ट की नियुक्ति कर दी गई है, जिन्होंने कलेक्टर की सीधी निगरानी में काम भी शुरू कर दिया है।

मध्यप्रदेश में सीमा से जुड़े विवादों को सुलझाने और विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से जमीन पर उतारने के लिए राज्य सरकार 27 जिलों में जीआईएस एक्सपर्ट तैनात कर रही है। अब इन्हीं विशेषज्ञों की मदद सिंहस्थ की तैयारियों में भी ली जा रही है। इस साल उज्जैन के हर क्षेत्र का बारीकी से डिजिटल नक्शा तैयार किया जाएगा। शहर की गलियां, सड़कें, खुले मैदान, नाले, बिजली-पानी की लाइनें और संभावित विकास क्षेत्र–सब कुछ एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज किया जाएगा। इसी नक्शे के आधार पर आगे विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार होगी।

एमपी इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीईडीसी) के अधिकारियों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में जीआईएस तकनीक के जरिए सड़क, बिजली, पानी, गैस पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और औद्योगिक क्षेत्रों को एक ही मैप पर दिखाया जा रहा है। यह पूरा डेटा भारत सरकार के पीएम गति शक्ति पोर्टल से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि केंद्र और राज्य की योजनाओं में बेहतर तालमेल बन सके।

जीआईएस आधारित यह व्यवस्था सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन के लिए भीड़ प्रबंधन, यातायात, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की सटीक प्लानिंग में अहम भूमिका निभाएगी।

ट्रेनों से उज्जैन आने वाले यात्रियों की संख्या में करीब 20 प्रतिशत का इजाफा

महाशिवरात्रि पर्व तक और बढ़ जाएगी यात्रियों की संख्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर दिसंबर के महीने में यात्रियों की संख्या आम दिनों की तरह सीमित बनी हुई है, लेकिन नया साल शुरु होते ही इसमें लगभग 20 प्रतिशत इजाफा हुआ है। पिछले साल नव वर्ष के शुरुआती तीन दिन उज्जैन रेलवे स्टेशन पर रोजाना करीब 25 हजार से अधिक यात्री पहुंचे। इसके पहले यह आंकड़ा 18 से 20 हजार के लगभग था।

उल्लेखनीय है कि महाकाल की नगरी उज्जैन में पूरे वर्ष श्रद्धालुओं का महाकाल दर्शन के लिए आगमन होता रहता है, लेकिन नए साल में श्रृध्दालु अपनी शुरुआत महाकाल दर्शन के साथ करना चाहते हैं। यही कारण है कि धार्मिक कार्यक्रमों एवं अन्य महत्वपूर्ण तिथियों में यहां श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक होती है। नए वर्ष के उपलक्ष्य में भी महाकाल में बड़ी संख्या में लोग दर्शन करने आए, जिसका सीधा असर उज्जैन रेलवे स्टेशन पर पड़ा। यहां गत वर्ष नए साल में 1 जनवरी को नव वर्ष के अवसर पर उज्जैन स्टेशन पर लगभग 25 हजार से अधिक यात्री पहुंचे। जो प्रतिदिन लगभग 18 हजार यात्रियों से करीब 30 प्रतिशत ज्यादा थे। इसके अलावा 2 और 3 जनवरी को भी स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ अच्छी खासी रही थी। इसके लिए 3 अतिरिक्त काउंटर का संचालन एवं 4 अतिरिक्त शिफ्ट में टिकट जारी किये गये थे। भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी एवं आरपीएसएफ के कुल 90 जवानों को शिफ्टों में तैनाती की गई थी। भीड़ को देखते हुए उज्जैन से भोपाल के लिए स्पेशल अनारक्षित ट्रेन का परिचालन किया गया था। इस बार भी 25 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश शुरु होने के बाद से लेकर पूरे जनवरी महिने में हजारों यात्री ट्रेनों के जरिए महाकाल दर्शन और शिप्रा स्नान के लिए बड़ी संख्या में उज्जैन पहुंचे।

महाशिवरात्रि पर और बढ़ेगी संख्या- 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व आ रहा है और 7 फरवरी से महाकाल में लगातार 9 दिन भगवान के दूल्हा स्वरूप के दर्शन होंगे। अनुमान है कि इस दौरान 10 लाख से ज्यादा लोग दर्शन करने आएंगे। ऐसे में 7 फरवरी से 15 फरवरी तक एक सप्ताह में लगभग 2 लाख से अधिक यात्री ट्रेनों के माध्यम से उज्जैन पहुंचेंगे।

गुस्सा, रोना, व्यंग, हास्य और छल कपट के भावों से सकूबाई ने दर्शकों को बांधा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित अभिनव रंगमंडल के 40वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह में दूसरे दिन एकजुट मुंबई द्वारा जयंत देशमुख के निर्देशन में सकुबाई नाटक की प्रस्तुति दी गई। नाटक हाशिए पर जीवन यापन करने वाले समाज की स्त्रियों के जीवन का कोलाज है। यह नाटक इस वर्ग की लड़कियों पर कम उम्र से हो रहे रोटी कमाने के दबाव और बाध्यता को दर्शाता है, साथ ही उन परिस्थितियों में भी जीवन को उत्साह से जीने की चाहत और जीवटता को उजागर करता है। नाटक तथाकथित पढ़े लिखे और सुसंस्कृत उच्च वर्गीय समाज के खोखलेपन पर भी प्रहार करता है। बचपन से ही परेशानियों ने सकुबाई को घेरे रखा। छोटी उम्र में ही उसे अपने मामा के दुष्कर्म का शिकार होना पड़ा। लाख कोशिशों के बावजूद वह अपनी मां से यह बात छिपा नहीं पाई।
अपनी मासूम बेटी के साथ हुए इस कृत्य की बात जानकर उसकी मां, बेटी की सुरक्षा और मायके-ससुराल के संबंधों की मर्यादा बचाने के लिए वहां से निकल जाती है । उसके मन में गहरी चिंता भी थी, कि यदि समाज को इस बारे में पता चला तो लड़की से शादी कौन करेगा ?

नादिरा जाहीर बब्बर की इस कहानी को निर्देशित करने का काम किया फिल्म टीवी और रंगमंच के बेहतरीन कला निर्देशक जयंत देशमुख ने, प्रभावी मंच सज्जा के साथ नाटक के वातावरण को संजीव बनाया। सकुबाई बाई की भूमिका में आशी मालवीय ने दर्शकों को भाव विभोर किया।

मार्बल, टाइल्स के कारोबार का झांसा देकर 21.37 लाख की ठगी, पीड़ित ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मार्बल एवं टाइल्स के कारोबार में मोटे मुनाफे का सपना दिखाकर 21 लाख 37 हजार रुपए की आर्थिक धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का मामला सामने आया है। इंदौर निवासी अंकुश यादव ने आरोपी रितेश मेहता निवासी नयापुरा उज्जैन के खिलाफ पुलिस अधीक्षक कार्यालय उज्जैन में लिखित शिकायत आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित अंकुश यादव निवासी 34, मानवता नगर, कनाडिया रोड, इंदौर ने बताया कि वह कनाडिया क्षेत्र स्थित स्नो सिटी के स्न्न्रू स्न्नह्वद्यद्य ष्ट्यह्नङ्घ में कार्यरत था। इसी दौरान उसकी पहचान रितेश मेहता से हुई। शुरुआत में आरोपी ने मदद के नाम पर छोटी-छोटी रकम लेकर विश्वास जीता, इसके बाद मार्बल और टाइल्स के व्यवसाय में निवेश का झांसा देकर अलग-अलग माध्यमों से कुल 21 लाख 37 हजार रुपए ले लिए।

आवेदन में बताया गया है कि आरोपी ने 13 लाख 53 हजार 100 रुपए ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए और शेष राशि नकद के रूप में प्राप्त की। अब तक केवल 11 लाख 99 हजार रुपए ही वापस किए गए हैं, जबकि करीब 19 लाख 38 हजार रुपए की राशि अब भी बकाया है। पीड़ित का आरोप है कि रकम लेने के बाद आरोपी पूरी तरह से संपर्क से बाहर हो गया है। पीड़ित ने इसे गंभीर आपराधिक अमानत में खयानत का मामला बताते हुए कहा कि आरोपी ने जानबूझकर विश्वास में लेकर उसकी मेहनत की कमाई का दुरुपयोग किया है। अंकुश यादव ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और बकाया राशि दिलाने की मांग की है।

उज्जैन इंदौर के हाई-प्रोफाइल लोगों को प्रॉपर्टी, रेस्टोरेंट और अन्य व्यवसायों में निवेश का झांसा देकर रकम ऐंठने वाले नयापुरा निवासी रितेश मेहता को सोमवार को उज्जैन के स्थित अवंती अस्पताल से पकड़कर नीलगंगा पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी अपने बीमार पिता से मिलने अस्पताल पहुंचा था, जहां पीड़ितों ने उसे पहचान लिया।

उसके पकड़े जाने के बाद थाने में राजनीतिक दबाव के फोन आने की भी चर्चाएं सामने आई हैं।

पीड़ित व्यापारियों का कहना है कि जिस व्यक्ति पर उन्होंने आंख मूंदकर भरोसा किया, उसी ने उनकी जीवनभर की कमाई दांव पर लगवा दी।

महाकाल और देवास गेट थाना क्षेत्रों में लावारिश लाशों की संख्या ने बढ़ाई चिंता

शहर में एक साल में 150 से ज्यादा अज्ञात शव, पहचान बन रही बड़ी चुनौती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले वर्ष उज्जैन शहर में लावारिश लाशों के मामलों ने पुलिस और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर के महाकाल और देवास गेट थाना क्षेत्र, साथ ही जीआरपी थाना क्षेत्र में सबसे अधिक अज्ञात शव बरामद किए गए। इन तीनों थाना क्षेत्रों में वर्षभर में 150 से अधिक लावारिश लाशों पर मर्ग कायम किए गए।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार महाकाल थाना क्षेत्र में सर्वाधिक 81 मर्ग दर्ज किए गए, लेकिन इनमें से केवल 12 शवों की ही शिनाख्त हो सकी। वहीं देवास गेट थाना क्षेत्र में 20 अज्ञात शव मिले, जिन पर मर्ग कायम किए गए। इसके अलावा जीआरपी थाना क्षेत्र में 55 लावारिश लाशें बरामद हुईं, जिनमें से करीब आधे शवों की पहचान पुलिस कर चुकी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अज्ञात शवों की पहचान के लिए तकनीकी संसाधनों के साथ-साथ अंतरराज्यीय समन्वय की भी आवश्यकता है। इसके लिए भविष्य में डेटाबेस और डिजिटल रिकॉर्ड को और मजबूत करने की योजना पर विचार किया जा रहा है।

रेलवे ट्रैक और धार्मिक क्षेत्र बने प्रमुख स्थल- पुलिस अधिकारियों के अनुसार जीआरपी थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक और स्टेशन के आसपास सबसे अधिक अज्ञात शव मिलते हैं। वहीं महाकाल थाना क्षेत्र में धार्मिक नगरी होने के कारण बाहर से आए श्रद्धालु, साधु-संत और असहाय लोग बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, जिनकी मृत्यु के बाद पहचान कर पाना कई बार मुश्किल हो जाता है।

शिनाख्ती में तकनीकी और सामाजिक बाधाएं- लावारिश लाशों की पहचान में सबसे बड़ी बाधा मृतकों के पास कोई वैध दस्तावेज न होना है। कई मामलों में शव सड़-गल जाने या लंबे समय तक खुले में पड़े रहने से पहचान और भी कठिन हो जाती है। पुलिस सोशल मीडिया, आसपास के थानों से संपर्क और मिसिंग रिपोर्ट के जरिए शिनाख्ती का प्रयास करती है, लेकिन सफलता सीमित रहती है।

एक नजर में आंकड़े

महाकाल थाना - 81 लावारिश लाशें
शिनाख्त हुई - 12
देवास गेट थाना - 20 लावारिश लाशें
जीआरपी थाना - 55 लावारिश लाशें
लगभग आधी लाशों की हो चुकी पहचान
कुल मामले - 150 से अधिकड्ड

सीईओ जिला पंचायत द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को सम्राट विक्रमादित्य प्रशासनिक संकुल भवन स्थित कलेक्टर सभागार में जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों से प्राप्त प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम उंडासा निवासी श्रीमती सुंदरबाई पति स्व. दौलतराम ने आवेदन दिया कि गांव के सरपंच के मौखिक कहे अनुसार गांव के विद्यालय में झाड़ू, पौछा, पानी लाने का काम किया था। तीन महीने तक कार्य करने के बाद भी विद्यालय से मेरी मेहनत का पैसा नही दिया जा रहा है। जिसके कारण मैं आर्थिक रूप से परेशान हो चुकी हूं। जनसुनवाई के दौरान आवेदन प्राप्त होने पर जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए है।

उज्जैन के निजातपुरा निवासी श्री आशुतोष पिता श्री तेजसिंह बैस ने आवेदन दिया कि उनका चयन मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती वर्ष 2023-24 के अंतर्गत हो चुका है। वर्ष 2023-24 का ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र उपलब्ध नही होने के कारण अभी तक जॉइनिंग लेटर जारी नही किया है, जिससे मेरी नियुक्ति प्रक्रिया बाधित हो रही है। आवेदन में निवेदन किया है कि वर्ष 2023-24 का ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र भूलवश नही बनवा पाया हूं। आवेदन पर तहसीलदार उज्जैन सिटी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम सनकोटा तहसील तराना निवासी श्रीमती कांताबाई पति श्री मानसिंह ने आवेदन दिया कि गांव के निवासी श्री अंतरसिंह पिता श्री हजारी से एक भूखंड 25 बाय 50 फीट का खरीदकर उस भूखंड पर मकान का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान श्री अंतरसिंह और परिवार के सदस्यों द्वारा आपत्ति लेकर कहा जा रहा है कि 9 फीट की हमारी जगह पर निर्माण किया गया है। इस दौरान श्री अंतर सिंह के परिवार के सदस्यों द्वारा धमकी दी जा रही है। इस पर तराना एसडीएम को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम लक्ष्मीपुरा कायथा निवासी श्री जगदीश पिता श्री भागीरथ ने आवेदन दिया कि उसकी पत्नी श्रीमती पवन बाई तीन बच्चे रामेश्वर, नैना, संध्या को गांव के राजेश पिता गोकुल 8/11/2025 को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसकी कायथा थाने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई है। आवेदन में कहा है कि मेरी पत्नी और तीनों बच्चों की तलाश कर मुझे दिलाएं। इस पर पुलिस अधीक्षक और एसडीएम तराना को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

पुजारियों से बोली पुलिस रात में मंदिरों में ना रखे आभूषण

सोने-चांदी के भाव मे तेजी के बाद 2 मंदिरों में हो चुकी है बड़ी चोरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोने चांदी के भाव में आई तेजी के बाद बदमाशों ने मंदिरों का रुख कर लिया है और भगवान की प्रतिमाओं से आभूषण चोरी कर रहे हैं। पिछले दिनों दो मंदिरों में हुई बड़ी चोरी के बाद पुलिस मंदिर मंदिर पहुंच रही है और पुजारी के साथ ट्रस्टियों से चर्चा कर रात के समय प्रतिमाओं पर आभूषण न रखने के साथ दान पेटी की राशि भी सुरक्षित रखना के निर्देश दे रही है।

इंगोरिया थाना क्षेत्र के दंगवाड़ा में बोरेश्वर महादेव मंदिर और घटिया के नजरपुर स्थित आशा पुरी माता भवानी मंदिर में बड़ी चोरी की वारदात के बाद सामने आया कि बदमाशों द्वारा मंदिर में भगवान और माता की प्रतिमा पर लगे सोने चांदी के मुकुट और छत्र चोरी किए जा रहे हैं। सोने चांदी के भाव में आई तेजी के बाद चोरों के निशाने पर मंदिर बने हुए हैं। जिसको देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा धार्मिक में अति प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश जारी किया है। महाकाल थाना क्षेत्र में 12 ज्योतिर्लिंगों में विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर के साथ ही अति प्राचीन देवी मंदिर बने हुए हैं जहां प्रतिदिन देश भर के श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और दान राशि के साथ आभूषण भी अर्पित करते हैं। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल द्वारा मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए एक टीम का गठन किया गया है। टीम द्वारा लगातार थाना क्षेत्र के मंदिरों का भ्रमण किया जा रहा है और पुजारी के साथ मंदिर के ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों की मीटिंग आयोजित कर उन्हें रात के समय मंदिरों में भगवान की प्रतिमा पर आभूषण नहीं रखने के साथ दानपेटी की राशि को भी सुरक्षित करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। मंदिरों में सीसीटीवी कैमरे और चौकीदारों की नियुक्ति के भी आदेश जारी किए गए हैं। थाना प्रभारी गगन बदल के अनुसार क्षेत्र के करीब 50 मंदिरों में सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अब तक पुलिस टीम 30 मंदिरों में पहुंच चुकी है। अभियान के तीसरे दिन एएसआई चंद्रभान के नेतृत्व में टीम चौबीस खंबा माता मंदिर पहुंची, मंदिर के पुजारियों और स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, सीसीटीवी कैमरे, दान पेटियों की सुरक्षा और संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इससे पहले सोमवार रात को भी टीम क्षेत्र के कई मंदिरों में पहुंची थी और पुजारी के साथ स्थानीय लोगों से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की थी।